जीवन दर्शन

अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही तो कला है - मैथिलीशरण गुप्त

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

बुधवार 4 जून, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 113 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 100वीं जीत: नडाल के बाद यह उपलब्धि हासिल...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में कराची की जेल से 216 कैदी भागे भूकंप के बाद फरार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से सोमवार रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद ऐहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था। जियो न्यूज के मुताबिक इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने मंगलवार तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कमल हासन को फटकारा:कहा- सुरक्षा मांगने आ गए

चेन्नई। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक्टर-डायरेक्टर और नेता कमल हासन की 2 जून को दायर याचिका पर सुनवाई की। इसमें उनकी फिल्म 'ठग लाइफ' पर कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) के कर्नाटक रिलीज पर लगाई रोक हटाने और रिलीज के दौरान पुलिस सिक्योरिटी की मांग की गई है। फिल्म की 5 जून को पैन इंडिया रिलीज है। कोर्ट ने हासन को उनके बयान 'कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ' पर फटकार लगाई। जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने कहा, 'आपने किस आधार पर यह बयान दिया है? क्या आप इतिहासकार हैं या भाषाविद्? आप कमल हासन हों या कोई और, आपके पास किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है।' कोर्ट ने कहा- इस देश का विभाजन भाषा के आधार पर हुआ है।

पाकिस्तानी टिकटॉक स्टार की हत्या:घर में घुसकर गोली मारी, हमलावर बेरोजगार

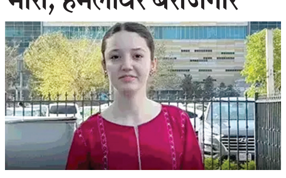

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 17 साल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की सोमवार को उनके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना इस्लामाबाद के जी-13 इलाके में हुई। इस्लामाबाद पुलिस के आईजी सैयद अली नासिर रिजवी ने कहा कि सना के हत्यारे का पता चल गया है। अपराधी 22 साल का लड़का है, जिसे फैसलाबाद से गिरफ्तार किया गया। वह रिश्तेदार बनकर सना के घर में घुसा था। पुलिस का कहना है कि हमलावर ने सना को कई बार प्रपोज किया था। हर बार उसने मना कर दिया। हमलावर मैट्रिक पास और बेरोजगार है और बेहद गरीब परिवार से आता है। आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है।

बेंगलुरु ने अपना पहला IPL जीता

191 रन चेज कर रहा पंजाब 6 रन से हारा, कोहली मैदान पर रो पड़े

अहमदाबाद ■

आईपीएल 2025 के खिताबी मुकाबले में मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर अपना पहला खिताब जीता। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के RCB vs PBKS मैच में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

कप्तान रजत पाटीदार की अगुवाई में रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 190 रन बनाए। वहीं, पीबीकेएस टीम 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर सिर्फ

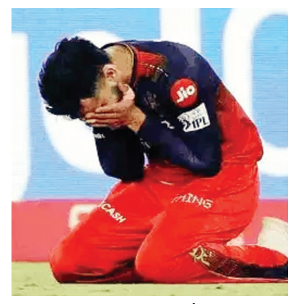

184 रन ही बना पाई और लक्ष्य पूरा करने में नाकाम रही। इससे पहले आरसीबी ने साल 2009, 2011 और 2016 फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं पंजाब साल 2014 में फाइनल में पहुंची थी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की शुरूआत खराब रही। दूसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 9 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद विराट कोहली ने मोर्चा संभाला और मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर टीम की नींव मजबूत की। दूसरे विकेट के लिए मयंक ने 38 रनों की साझेदारी की। 7वें ओवर में आरसीबी को दूसरा झटका युजवेंद्र चहल ने दिया। 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 18 गेंदों में 24 रन बनाए। रजत पाटीदार ने 16 गेंदों में 26 रन जोड़े। इसके बाद आरसीबी को बड़ा झटका अजमतुल्लाह उमरजई ने विराट को पवेलियन भेजकर दिया। एक ओर जहां आरसीबी के बल्लेबाज एक-एक करके आउट हुए, वहीं, विराट शुरू से ही डटे रहे और अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण पारी खेली। विराट ने तीन चौकों की मदद से 35 गेंदों में 43 रनों का योगदान दिया।

ट्रंप का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए-राहुल

भोपाल ■

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पीएम मोदी पर फिर से तीखा हमला किया है। राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अमेरिका के इशारे पर रोकने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने पीएम मोदी के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन कॉल पर सरेंडर करने की बात कही। राहुल ने कांग्रेस की मजबूती का बात कहते हुए कहा कि उनकी पार्टी सुपरपावर के सामने नहीं झुकती है।

राहुल गांधी ने भोपाल में एक सभा में कहा कि कि ट्रंप का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत surreafder हो गए। राहुल ने कहा,इतिहास गवाह है, यही बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का चरित्र है। ये हमेशा झुकते हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि भारत ने 1971 में

अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां सुपरपावर्स से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं। जैसे उधर से ट्रंप ने एक इशारा किया, फोन उठाया, कहा- मोदी जी क्या कर रहे हो, नरेंद्र... सरेंडर, जी हजूर करके नरेंद्र मोदी ट्रंप के इशारे का पालन किया। आपको याद होगा, जब फोन कॉल नहीं आया था, 7th फ्लीट आई थी। 71 की लड़ाई में हथियार आए थे, एयरक्राफ्ट कैरियर आया था। इंदिरा गांधी ने कहा था, मुझे जो कहना था, मैं करूंगी। ये फर्क है।

बाढ़-लैंडस्लाइड से नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में 37 लोगों की मौत:सिक्किम में हेलिकॉप्टर से 36 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली/अगरतला/इम्फाल

देश के पूर्वोत्तर राज्यों में 29 मई को मानसून ने दस्तक दी थी। 5 दिन बीतने के बाद भी मानसून वहीं ठहरा हुआ है। इसके चलते मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और सिक्किम में तेज बारिश हो रही है। आज ट्ढ-राजस्थान समेत 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट है। नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में बाढ़-लैंडस्लाइड से अब तक 36 लोगों की मौत हो चुकी है। असम के 22 जिलों में 5.35 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और अब तक 11 लोगों की मौत हुई है। 15 नदियां उफान पर हैं। सड़क, रेल और बोट सर्विस प्रभावित है। कुल 165 राहत शिविरों में 31 हजार 212 लोग ठहराए गए हैं।

उत्तरी सिक्किम के लाचेंग-चुंगथांग कस्बों में लैंडस्लाइड के कारण फंसे 1678 टूरिस्ट्स रेस्क्यू किए गए। इसमें 36 लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। 100 से ज्यादा अभी भी यहां फंसे हैं। मंगन जिले में बाढ़ को आपदा घोषित किया गया है। 31 मई की शाम जिले के छातेन में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड में 3 जवानों की मौत हुई थी। लापता 6 जवानों की तलाश जारी है। इधर, बिहार के सीवान में सोमवार को आंधी-बारिश के बाद दीवार-पेड़ गिरने से अलग-अलग इलाकों में 2 महिलाओं समेत 7 लोगों की मौत हो गई। जयपुर में भी दीवार गिरने से एक महिला की जान चली गई। वहीं, मध्य प्रदेश के 38 जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

पूर्वोत्तर राज्यों में हालात

त्रिपुरा: बाढ़ के हालात में सुधार हुआ है। नदियां खतरे के निशान से नीचे हैं। राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों में 66 राहत शिविर खोले गए हैं, यहां 2926 परिवारों को 10800 से ज्यादा लोग मौजूद हैं। पश्चिमी त्रिपुरा जिले में सबसे अधिक ज्यादा 50 राहत शिविर हैं। राज्य में 219 घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य के 5 जिलों में आज ऑरेंज अलर्ट जारी है।

अरुणाचल प्रदेश: एयरफोर्स ने सोमवार को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। प्रदेश के निचली घाटी दिबांग में बोमजीर नदी में फंसे 14 व्यक्तियों को बचाया गया। वायुसेना के मुताबिक असम और अरुणाचल प्रदेश में एमआई-17 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को निकाला जा रहा है।

राज्यपाल ने तमिलनाडु सरकार के बिलों को मंजूरी दी

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने सरकार की ओर से पारित 2 बिलों को मंजूरी दे दी है। इनसे 12,000 से ज्यादा दिव्यांगजनों को शहरी और स्थानीय निकायों में नामांकन का अधिकार मिलेगा। ये बिल लंबे समय से राजभवन में लंबित थे। राज्यपाल के इस फैसले पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा- यह मंजूरी मिलनी ही थी। राज्यपाल को डर था कि अगर फिर से बिलों को रोका तो हम सुप्रीम कोर्ट चले जाएंगे। 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के मामले पर राज्यपाल के अधिकार की सीमा तय कर दी थी। बेंच ने कहा था- राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

आर्मी अफसरों की प्राइवेसी पर सरकार की एडवाइजरी...

रक्षा मंत्रालय ने कहा- बिना परमिशन निजी जानकारी सार्वजनिक न करे

नई दिल्ली ■

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को मीडिया और लोगों से अपील की है कि वे सीनियर सैन्य अधिकारियों और उनके परिवारों की गोपनीयता का सम्मान करें। सरकार ने इस बारे में एडवाइजरी जारी की है। इसमें लिखा, 'सेवारत या रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों के निजी आवासों के पते छापने और उनके परिवारों के इंटरव्यू करने से बचें।'

डिफेंस मिनिस्ट्री ने एडवाइजरी में कहा है कि जब तक आधिकारिक तरीके से इसका इनविटेशन या इजाजत न दी गई हो, तब तक आवासीय पते, परिवार के सदस्यों की तस्वीरें या अन्य निजी ब्योरों को छापने या प्रसारित करने से बचें।' रक्षा मंत्रालय ने यह एडवाइजरी विजय कुमार के साइन के साथ जारी की है। मंत्रालय ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद सैन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी देने के लिए समय-समय पर कई अफसर मीडिया के सामने आए। इन अफसरों को लेकर हो रही लगातार कवरेज उनके परिवार के लोगों और निजी जिंदगी तक पहुंच गई।' 'मीडियाकर्मियों ने कथित तौर पर उनके आवास पर जाकर उनके परिवार के सदस्यों से संपर्क साधने की कोशिश की। इसके अलावा सेना के अफसरों के परिवार से आधिकारिक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत मुद्दे पर कवरेज की गई।' 10 मई को भारत पाकिस्?तान के बीच सीजफायर के ऐलान के बाद कई यूजर्स विदेश सचिव विक्रम मिसरी की पोस्ट्स पर ऑनलाइन एब्यूज कर रहे थे। यहां तक कि उनके परिवार के साथ उनकी पुरानी तस्वीरें शेयर हो रही थीं जिसके साथ उनकी बेटी का मोबाइल नंबर वायरल कर दिया गया था और कई तरह के कमेंट्स भी किए जा रहे थे।

न्यूजीलैंड में एमपी ने संसद में अपनी न्यूड फोटो दिखाई:कहा- ये एआई से 5 मिनट में बनी

नई दिल्ली ■

न्यूजीलैंड की महिला सांसद लॉरा मैक्लर ने संसद में अपनी एक अक जेनरेटेड न्यूड तस्वीर दिखाई। उनका मकसद लोगों को ये बताना था कि ऐसी फर्जी तस्वीरें बनाना कितना आसान है और ये कितना खतरनाक हो सकता हैं। लॉरा ने संसद में कहा कि उन्होंने एक गूगल सर्च के जरिए मिली वेबसाइट का इस्तेमाल करके कुछ ही मिनटों में अपनी डीपफेक तस्वीर बना ली। उन्होंने डीपफेक और एआई को नियंत्रित करने के लिए कानून की मांग की है।

उन्होंने कहा- यह मेरी न्यूड तस्वीर है, लेकिन यह असली नहीं है। मुझे ऐसी डीपफेक तस्वीरें बनाने में पांच मिनट से भी कम समय लगा। 14 मई को लॉरा ने यह बातें कहीं थी, जो अब वायरल हो रही हैं। लॉरा ने कहा, समस्या तकनीक में नहीं है, बल्कि इसका गलत इस्तेमाल करके लोगों को परेशान करने में है। हमें इसका हल निकालना होगा।

डीपफेक की ज्यादातर शिकार महिलाएं

न्यूजीलैंड में अभी डीपफेक को सीधे तौर पर नियंत्रित करने वाला कोई कानून नहीं है, हालांकि डिजिटल संचार से संबंधित कुछ नियम जरूर हैं। लॉरा डीपफेक डिजिटल हार्म एंड एक्सप्लॉइटेशन बिल का समर्थन कर रही हैं, जो रिवेंज पोर्न और निजी रिकॉर्डिंग से संबंधित मौजूदा कानूनों को अपडेट करेगा। इसके तहत बिना मर्जी के डीपफेक बनाना या साझा करना अपराध होगा। न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादातर डीपफेक पोर्न बिना सहमति के बनाए जाते हैं और इनका निशाना ज्यादातर महिलाएं होती हैं। लॉरा को उम्मीद है कि उनका यह कदम कानूनी सुधारों को तेज करेगा। उन्होंने कहा, किसी को भी बिना सहमति के डीपफेक पोर्न का निशाना नहीं बनना चाहिए। यह साफ तौर पर उत्पीड़न है। हमारे कानूनों को जल्दी अपडेट करने की जरूरत है।

व्यंग्य : कांग्रेस की दूर दृष्टि : 6 राज्य छोड़ एमपी पर फोकस..!

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

क्या इसे कांग्रेस की ' दूर दृष्टि ' मानें कि इस साल नवम्बर में बिहार में चुनाव है और 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल व पूंडुचेरी में चुनाव होंगे तो सबसे पहले इन राज्यों में संगठन सृजन की बजाय कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का मध्यप्रदेश पर फोकस है, जहां चुनाव 2028 में होंगे और वे नेताओं में जोश भरने भोपाल भी आ गए, लेकिन फिर बड़ी भूल कर बैठे, क्या वह भी जानते हैं..?

एमपी पर राहुल गांधी का अभी से फोकस : सीएम यादव ने संस्कार पर कसा तंज..?

मध्यप्रदेश विधानसभा के 2023 में हुए चुनाव में बीजेपी को 163 सीटें मिलने पर बुरी तरह हार का सामना कर चुकी कांग्रेस का अभी से फोकस एमपी पर है और इसका प्रमाण कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भोपाल से संगठन सृजन की शुरूआत की, जबकि अब एमपी में अगला चुनाव 2028 में है. क्या यह कांग्रेस की दूर दृष्टि है या कांग्रेस मान रही है कि कि 2025 नवंबर में बिहार व 2026 में 5 राज्यों के चुनाव में संगठन बहुत मजबूत है..? खैर जो भी कांग्रेस की रणनीति हो, लेकिन राहुल गांधी अपनी तरफ से भोपाल में भी बड़ी भूल कर बैठे जिसका वीडियो भी वाइरल हो गया.सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस पर तीखा तंज कसा. उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी उनकी दादी थीं, उनकी तस्वीर पर जूते पहनकर पुष्पांजलि देना हमारे संस्कारों के खिलाफ है. उन्हें इस बात का

ध्यान रखना चाहिए. मुख्यमंत्री ने यह भी जोड़ा कि भाजपा ने अपने कार्य, संस्कार और सेवा भाव के कारण जनता का दिल जीता है, यही कारण है कि मध्य प्रदेश भाजपा का गढ़ बना हुआ है और भारतीय जनता पार्टी लगातार आगे बढ़ रही हैं. इसी बात को लेकर मंत्री विश्वास सारंग ने भी श्रद्धांजलि के नाम पर फूल फेंकने व जूते पहन श्रद्धांजलि पर कहा यह इटली की संस्कृति है.खैर राहुल गांधी ने क्या कहा यह भी जानते हैं.उन्होंने संगठन के पुनर्गठन को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा, किसी भी तरह की हेराफेरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. अगर कहीं कुछ गलत दिखा, तो हम उसे तुरंत बदल देंगे. राहुल ने यह भी कहा कि बीजेपी की मदद करने वाले नेताओं की पहचान की जाए और संगठन में सही व्यक्ति को सही स्थान दिया जाए.कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने राहुल गांधी की भूल पर कहा कि हम कर्मकांड पर विश्वास नहीं करते. अब कोई उन्हें बताए कि श्रद्धांजलि और कर्मकांड दोनों अलग हैं. वैसे राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में तो बीजेपी की मदद करने वालों पर सख्ती करने की बात कह दी है, लेकिन कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता शशि थरूर एवं सलमान खुर्शीद मोदी सरकार की लगातार तारीफ कर रहे हैं तो वे उन पर क्या एक्शन लेंगे..?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पचमढ़ी को 33 करोड़ रुपये की दी सौगात

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को पचमढ़ी में पर्यटन विकास को नई दिशा देते हुए 33.88 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विरासत भी और विकास भी' के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जननायकों के कार्यों को समाज के सामने लाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री ने एलान किया कि अब पचमढ़ी उद्यान का नाम 'राजा

भभूत सिंह उद्यान' होगा तथा पचमढ़ी का शासकीय महाविद्यालय भी राजा भभूत सिंह के नाम से जाना जाएगा। साथ ही उन्होंने पचमढ़ी में जनजातीय संग्रहालय की स्थापना और कोरकू समाज के पवित्र स्थल पर प्रतीक्षालय और टीनशेड निर्माण की घोषणा की। नर्मदापुरम में लॉजिस्टिक पार्क निर्माण का भी एलान किया गया, इससे क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने जननायक राजा भभूत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी थे, जिन्होंने अंग्रेजों से डटकर मुकाबला किया। उनकी स्मृति में पचमढ़ी में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक है। इस अवसर पर डॉ. यादव ने जंगल सफारी के लिए 11 नए ट्रेक्स क्रूजर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे पर्यटकों को और अधिक सुविधाजनक अनुभव मिलेगा।

झूठे नाम से महिला से प्यार, फिर बलात्कार और धर्म परिवर्तन का दबाव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के सदर बाजार थाने में मुंबई के कव्वाल नौशाद अली के खिलाफ बलात्कार, धोखाधड़ी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नौशाद को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया था। महिला घबराई हुई थी और पुलिस के पास जाने में डर रही थी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उसे समझाया और केस दर्ज करवाने में मदद की।

अमन बनकर की दोस्ती

नौशाद अली ने खुद को अमन बताकर वर्ष 2013 से पीड़िता के संपर्क में रहना शुरू किया था। वर्ष 2018 में जब महिला को आरोपी के आधार कार्ड से असल पहचान का पता चला, तो उसने आपत्ति जताई। इसके जवाब में आरोपी ने महिला पर धर्म परिवर्तन कर विवाह करने का दबाव बनाया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बढ्ढ की धारा 69, 308(2), 296, 115(2), 351(3) और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

बस यात्रा में हुई थी पहचान- पीड़िता के अनुसार, वर्ष 2013 में उसकी मुलाकात नौशाद से बस यात्रा के दौरान हुई थी। वह नौकरी के सिलसिले में प्रतिदिन मानपुर से अपडाउन करती थी। इसी दौरान आरोपी ने खुद को 'अमन' नाम से परिचित कराते हुए दोस्ती की और बताया कि वह संगीत से जुड़ा हुआ है तथा लाइव कार्यक्रम करता है। धीरे-धीरे दोनों के बीच संबंध गहरे होते चले गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना असली नाम नौशाद अली, पिता रफीक सवारी निवासी सुलवाड़ा, महाराष्ट्र बताया। इस खुलासे ने पूरे मामले को एक नई दिशा दी।

विवाह का झांसा देकर शोषण, असली पहचान से हुआ खुलासा

वर्ष 2018 में जब पीड़िता इंदौर स्थित अपने फ्लैट में रह रही थी, तब अमन उर्फ नौशाद ने उससे विवाह का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान महिला के हाथ आरोपी का आधार कार्ड लग गया, जिससे उसका असली नाम और धर्म सामने आया। जब पीड़िता ने इस पर आपत्ति जताई और विवाह की बात की, तो आरोपी ने पहले उसे इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव डाला। महिला के इंकार करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की। यह घटना पीड़िता के लिए मानसिक और शारीरिक शोषण का कारण बनी।

लाखों रुपए भी ठगे

पीड़िता ने आरोप लगाया कि दोस्ती के दौरान आरोपी ने उससे चार से पांच लाख रुपये ठग लिए और बार-बार जबरन संबंध बनाता रहा। विरोध करने पर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता था। 31 मई 2025 को आरोपी फिर से सरवटे बस स्टैंड पर मिला और पीड़िता के फ्लैट तक पहुंच गया। चाय पीने का बहाना बनाकर उसने फिर से बलात्कार किया और पूरी रात वहीं रुका रहा। इसके बाद हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पहले तो पीड़िता ने कार्रवाई से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं की समझाइश के बाद सोमवार रात थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई।

रबी की समीक्षा और खरीफ की तैयारियों के संबंध में संभागीय समीक्षा बैठक आज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर संभाग में गत रबी के दौरान प्राप्त उपलब्धियों और खरीफ की तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण संभागीय समीक्षा बैठक 4 जून को सुबह 10 बजे से शुरू होगी।

यह बैठक कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक दो सत्रों में होगी। पहला सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक आयोजित होगा। इसमें कृषि, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता एवं अन्य संबंधित संस्थाओं की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के संबंध में चर्चा की जायेगी। इसके पश्चात बैठक का दूसरा सत्र दोपहर 2.30 से प्रारंभ होगा। इस सत्र में पशु पालन एवं डेयरी, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग तथा अन्य संबंद्ध संस्थाओं की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के संबंध में चर्चा की जायेगी। बैठक में संबंधित विभागों के राज्य स्तरीय वरिष्ठि अधिकारियों के साथ ही संभागायुक्त, संभाग के जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और संबंधित विभागों के संभागीय और जिला अधिकारी मौजूद रहेंगे।

आधार पंजीयन केन्द्रों में ऑपरेटर्स आमंत्रित, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 जून

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में रजिस्ट्रार महिला एवं बाल विकास के अधीन बाल विकास परियोजना कार्यालयों में स्थित स्थायी आधार मशीनों के संचालन हेतु पंजीयन केन्द्रों में ऑपरेटर्स के आवेदन पत्र 11 जून 2025 तक आमंत्रित किये गये है। आवेदन पत्र जिला कलेक्टर कार्यालय के द्वितीय तल में स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी कक्ष क्रमांक-206 में जमा किये जा सकेंगे।

आधार ऑपरेटर की योग्यता 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। साथ ही ठरएक्ळ द्वारा आयोजित आधार परीक्षा उत्तीर्ण हो, इन्दौर जिले का निवासी हो, ऑपरेटर वक्ळअक द्वारा ब्लैक लिस्टेड/ सस्पेंडेड न हो। आधार कार्य के अनुभव को प्राथमिकता तथा एक समान योग्यता होने पर एक से अधिक आवेदक होने पर अधिक अनुभव वाले आवेदक को प्राथमिकता दी जायेगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा ने बताया कि इन आधार केन्द्रों में पंजीयन तथा संशोधन के लिए आवश्यकतानुसार कार्यों के आधार पर ऑपरेटर्स की आवश्यक है। आधार ऑपरेटर्स के संबंध में विस्तृत जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालयीन समय अवधि में राशि रुपये 500 का ई चालान विभागीय मद 0235-60-800-0000 सामाजिक सुरक्षा कल्याण अन्य प्राप्तियों में जमा कर आवेदन चालान की एक प्रति जमा कर आवेदन प्राप्त किया जा सकता है।

शासकीय सेवकों की पेंशन और अनुकंपा संबंधी लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए लगेंगे शिविर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में शासकीय सेवकों की पेंशन, अनुकंपा और अन्य लंबित प्रकरणों के त्वरित ?निराकरण के लिए शिविर आयोजित होंगे। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने जनसुनवाई के दौरान दी। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई में यह देखने में आया है कि शासकीय सेवकों द्वारा अपनी पेंशन, मृत कर्मचारियों के आश्रितों के अनुकंपा नियुक्ति और अन्य भुगतानों के प्रकरण लंबित होने से आवेदन लगातार आ रहे हैं। उन्होंने इसको देखते हुए निर्देश ?दिये है कि इस संबंध में जल्द ही शिविर लगायें जायें।

कलेक्टर कार्यालय इंदौर में प्रत्येक मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी जनसुनवाई सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा जनसुनवाई में आये आवेदकों के प्रकरणों को एक-एक कर सुना एवं उनके शीघ्र निराकरण हेतु मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पेंशन एवं अनुकंपा से संबंधित प्रकरणों की जानकारी कलेक्टर श्री सिंह के संज्ञान में आयी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि पेंशन एवं अनुकंपा के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए शिविर लगाये जाएंगे ताकि प्रकरणों का शीघ्र निराकरण हो तथा उन्हें जनसुनवाई में ना आना पड़े। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा जनसुनवाई करते हुए किसी को शिक्षा, किसी को इलाज तो किसी को रोजगार के लिये तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा बताया गया कि जनसुनवाई में आये आवेदनों का ?निराकरण ?निश्चित समय सीमा में सुनिश्चित किया जा रहा है। यह व्यवस्था की गई है कि आवेदकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के संबंध में दोबारा जनसुनवाई में नहीं आना हो। ऐसे आवेदन जिनका अधिकारियों द्वारा निर्धारित समय सीमा में निराकरण नहीं किया गया है ऐसे आवेदनों का निराकरण कलेक्टर स्वयं सुनिश्चित करायेंगे, इसके लिए ऐसे आवेदनों को टीएल में रखा जा रहा है। ऐसे आवेदनों निराकरण की कलेक्टर स्वयं प्रति सप्ताह सोमवार समीक्षा भी कर रहें हैं। जनसुनवाई में आज भी विशेष रूप से आवास, संपत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद, प्लॉट आदि के आवेदन आए, जिनके त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं मध्यस्थता केंद्रों को प्रेषित किए गए है ताकि निर्धारित समय-सीमा में इनका निराकरण हो सकें। जन?सुनवाई में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा भी बड़ी संख्या में आवेद?कों की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया। साथ ही अपर कलेक्टरों द्वारा भी जनसुनवाई के माध्यम से आवेदकों के प्रकरणों का निराकरण किया गया।

ऑनलाइन वेबसाईट के माध्यम से सट्टा संचालित करने वाली अंतराज्यीय गैंग का फरार आरोपी भोपाल से धराया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में ऑनलाइन जुआ, सट्टा एवं अवैधानिक गतिविधियां संचालित करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निदेशों के अनुक्रम में क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की टीमों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही हैं।

राजेश जैन

इसी अनुक्रम मे क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि संयोगितागंज क्षेत्र के ऊषागंज स्थित फ्लैट के सेकेंड फ्लोर में ऑनलाइन गेमिंग का सट्टा संचालित किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर के द्वारा बताए स्थान पर दबिश देते उक्त स्थान में कुछ व्यक्तियो जो की लैपटॉप एवं मोबाईल के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे, पुलिस टीम द्वारा आरोपी (1). हिमांशू खण्डेलवाल , (2). रविन्द्र गौतम (3). विवेक कुमार (4). अमित कुमार मण्डल (5). कृष्णा कुमार (6). कन्हैया पाण्डे को पकड़ा था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके द्वारा Link के माध्यम वरुण आनलाईन हब बेवसाईट पर रुपयो पैसो से (हार-जीत) का दाव लगाकर सट्टा खिलवाया जाता था, एवं आरोपियों ने बताया कि जिन ग्राहकों को सट्टा लगाना रहता था उनसे पेमेंट अलग-अलग बैंक खातों में प्राप्त करके उन्हें Link भेजकर वरुण आनलाईन हब वेबसाईट की आईडी एवं पासवर्ड ग्राहकों को देते है एवं उस आईडी पर जितने रुपये उक्त व्यक्ति ने जमा किये हैं उसके पाईंट उनको उस आईडी पर देते है। जिसके बाद उक्त व्यक्ति वरुण आनलाईन हब वेबसाईट में उपलब्ध (24*7) गेम खोलकर हार-जीत का दाव लगाकर सट्टा खेलता था। आरोपियों के कब्जे से 29 मोबाइल,01 कंप्यूटर, 02 लैपटॉप,7 चेकबुक, 04 पासबुक, एटीएम काड्र्स, एवं ऑनलाइन सट्टे के हिसाब किताब का करोड़ों रुपए का लेखा जोखा जप्त करके, आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में गेमलिंग एक्ट के साथ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। उक्त प्रकरण में फरार आरोपी (7). निखिल खंडेलवाल (8).लक्की चौहान उर्फ अभिजीत चौहान को 6 लाख 50 हजार रुपए, 01 एर्टिगा कार के साथ गिरफ्तार किया था। उक्त प्रकरण में तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी (9).राजेश कुमार जैन उम्र 55 वर्ष निवासी डीएलएफ मांगलिया इंदौर को पकड़ा जिसके मोबाइल में उक्त ऑनलाइन सट्टे के करोड़ों के हिसाब किताब मिले आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

साइबर अपराधों के प्रति जन जागरूकता हेतु इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का अभिनव प्रयास

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार विभिन्न प्रयास किए जा रहे है। इसी कड़ी में नगरीय पुलिस द्वारा लोगो को डिजिटल अरेस्ट आदि जैसे विभिन्न साइबर फ्रॉड से बचने के लिए ध्यान रखने वाली बातों के प्रति जागरुक करने के लिए एक नाट्य रूपांतरित वीडियो फिल्म वॉक प्रोडक्शन इंदौर के सहयोग से तैयार की गई है। उक्त फिल्म को पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 03-06-25 को लांच करते हुए सभी को ये संदेश दिया कि, उक्त फिल्म बनाने का उद्देश्य लोगो मे विभिन्न साइबर अपराधों जैसे डिजिटल अ?ेस्ट आदि के प्रति जागरुकता लाना ही है। अतः हमेशा सतर्क व जागरूक रहे और अपनी निजी जानकारी कभी भी किसी अनजान व्यक्ति से शेयर न करें।

शासन ने स्वस्थ यकृत मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा घर-घर जाकर करेंगे स्क्रीनिंग

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्य शासन ने 'स्वस्थ यकृत मिशन' के अंतर्गत एक नवीन पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर और स्वास्थ्य संस्थाओं पर फैटी लीवर की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। इस मिशन का उद्देश्य 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों में जोखिम के कारकों की पहचान, मूल्यांकन और समुदाय में यकृत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना है। साथ ही ऐसे मरीजों को संदिग्ध और पुष्ट मामलों के लिए रैफरल और फॉलोअप करना है। स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर स्क्रीनिंग प्रारंभ की गयी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या ने बताया कि वर्तमान समय में नॉन-एल्कोहलिक फैटी लीवर डिसीज एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या बनकर उभरी है, जो मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी बीमारियों से संबंधित है। हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग लीवर है, जो विषाक्त पदार्थ को हटाने, पाचन में मदद करने और शरीर की ऊर्जा को संग्रहित करने का काम करता है। लीवर को स्वस्थ रखना हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मिशन के अंतर्गत आशा कार्यकर्ता भ्रमण करके समाज को जागरूक करेंगी और लोगों को समझाईश देंगी। इस मिशन के अंतर्गत नॉन-अल्कोहोलिक फेटी लीवर डिसिज को पहचानने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तरों पर सीएचओ द्वारा बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की गणना की जाएगी। यदि बीएमआई 23 से अधिक है तो उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकीय जॉच हेतु रेफर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नॉन-एल्कोहलिक फैटी लीवर का जोखिम उन लोगों में होता है, जो मोटापा अर्थात जिनका बीएमआई 23 से अधिक और कमर की माप पुरुषों में 90 cm से अधिक और महिलाओं में 80 cm से अधिक है। ऐसे लोग मधुमेह टाईप 2 मधुमेह से ग्रसित होते हैं। ऐसे लोगों की जीवन शैली अधिक समय तक बिना ब्रेक लिए बैठे रहना। ऐसे मरीज जिनका मेटाबॉलिक सिंड्रोम अनियमित हो अर्थात फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज 100-125 mg/dl हो, ब्लड प्रेशर 130/85 mm Hg हो, HDL Male <40mg/dl, FemÔle <50 md/dl हो, तो उन्हें मेटाबॉलिक सिंड्रोम हो सकता है। उन्होंने बताया कि लीवर को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार लें, नियमित व्यायाम करें, वजन का प्रबंधन करें, शराब का सेवन पूरी तरह से बंद करें एवं स्वस्थ रहें।

सतर्क रहें... घबराएं नहीं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वर्तमान में मौसम के बदलाव के कारण विभिन्न तरह के वायरस आदि से श्वसन संबंधी बीमारियां दृष्टिगत हो रही हैं। ओमिक्रॉन के वर्तमान में प्रचलित वैरियएंट के सकुर्लेशन में है। जिससे खांसी, गले में खरास के साथ हल्की बीमारी के लक्षण जैसे बुखार, सर्दी, खांसी, शरीर में दर्द जैसे सामान्य लक्षण दिखाई देते हैं।

जागरुक नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वयं एवं जनता के हित में सामाजिक दूरी बनाकर रखें। हाथ धोने संबंधी व्यवहार को जीवन का अंग बनाए एवं सार्वजनिक स्थानों पर रुकें नहीं। बुजुर्ग एवं सहरुग्णता वाले व्यक्ति, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम रखने वाले व्यक्ति कम हवादार या भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें। यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो मास्क का उपयोग करें। तीव्र श्वसन रोग के लक्षण वाले व्यक्ति अपने स्वास्थ्य की निगरानी स्वयं कर सकते हैं। यदि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो तो और ऐसे लक्षणों में वृद्धि दिखाई दे तो वे निकटतम स्वास्थ्य केन्द्रों पर तत्काल पहुँचे।

मन है द्वार संसार का, ध्यान है द्वार मोक्ष का...

फिर भी जिंदगी हसीन है...

dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, आज के युग में जितनी भागदौड़ हमारी जिंदगी में है, उतनी ही उथल-पुथल हमारे मन में भी है। याने हमारा जीवन भागदौड़ और हमारा मन विचारों की भीड़ से भरा हुआ है। कभी हमारा मन अतीत की यादों में खोया रहता है, तो कभी उसे भविष्य की चिंता सताती रहती है और जब कभी उसे इन दोनों से फुर्सत मिलती है तो वह वर्तमान की उलझनों को सुलझाने में व्यस्त हो जाता है और इसी वजह से सब कुछ होने के बाद भी हम शांत और संतुष्ट नहीं रह पाते हैं। दूसरे शब्दों में कहूँ तो इस निरंतर सोच के चलते हम कभी यह सोच ही नहीं पाते हैं कि इस निरंतर सोच के पीछे कौन है और इसका समाधान क्या है?

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए हमें सबसे पहले समझना होगा कि हमारा 'मन' हमारे जीवन या हमारे संसार का मुख्य द्वार है। इस द्वार से ही हम इस संसार को देखते, समझते, जानते और उस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। लेकिन अक्सर हमारा यह द्वार याने मन इन कामों के इतर विचारों की नदियों में बहता रहता है। कभी यह एक पल की खुशी में रहता है, तो दूसरे पल में चिंता में, फिर कभी दुख में, तो कभी आशा में। कुल मिलाकर कहूँ तो यह विचारों के खेल में उलझा रहता है और जब हम विचारों के इस खेल में उलझ जाते हैं याने विचारों की नदी में बहते हैं और बीतते समय के साथ उस विचारधारा से पूरी तरह एक हो जाते हैं। तब इस स्थिति में हम भूल जाते हैं कि हम मन नहीं हैं, हम तो मन से पूरी तरह अलग हैं। दूसरे शब्दों में कहूँ तो अगर आप मन रूपी द्वार को विचारों की धारा से बचा कर हमेशा खुला रखना चाहते हैं और अपने सही रूप तक पहुँचना चाहते हैं तो आपको ध्यान रूपी मोक्ष के द्वार को समझना होगा। ध्यान याने जागना, देखना, और निर्विचार होना। इस स्थिति में हम विचारों को रोकने की कोशिश नहीं करते, बस उन्हें गुज़रते हुए देखते हैं। ठीक उसी तरह जैसे कोई रोड किनारे खड़ा होकर गुज़रती हुई गाड़ियों को देखता है। खुद को विचारों से अलग कर इस तरह आता-जाता देखना जल्द ही आपको एहसास करवा देता है कि आप विचारों से अलग हैं। याने आप विचारों के साक्षी हैं। यही साक्षी भाव ध्यान की शुरुआत है। दोस्तों, उपरोक्त आधार पर कहा जाए तो हमें सोचने से देखने की यात्रा तय करना है। इसके लिए आपको मन की चाल को समझना होगा, जो हमें ध्यान से रोकना चाहता है। वह हमें उलझाने के लिए कहता है, ध्यान के बारे में सोचो! लेकिन ध्यान, सोचने की नहीं, अनुभव करने की चीज है। जब आप सोचते हैं, तब आप मन के जाल में फँसे होते हैं और जब आप देखते हैं, तब आप मन के पार चले जाते हैं। इस आधार पर देखा जाए तो ध्यान में उतरने का एक ही रास्ता है, सोचना बंद करो, विचारों को देखना शुरू करो। जब आप विचारों को सिर्फ देखने लगते हैं, तो वे धीरे-धीरे कम होने लगते हैं और फिर एक दिन ऐसा आता है, जब विचार बिल्कुल शांत हो जाते हैं और अपने अंदर अलौकिक ऊर्जा को देखने और महसूस करने लगते हैं। शुद्ध चेतना की यह शान्त मौलिक स्थिति ही समाधि की स्थिति होती है। इसलिए याद रखियेगा समाधि कोई कठिन स्थिति नहीं बल्कि हमारी मौलिक स्थिति है, जिससे बस हम भटक गए हैं। इसलिए ही आध्यात्म के मार्ग में कहा जाता है, मन से पाया, ध्यान में खोया। मन से खोया, ध्यान में पाया। सीधे शब्दों में कहूँ तो, मन की यात्रा हमें भ्रम याने अहंकार, पहचान, दुख, और तनाव की ओर ले जाती है और ध्यान की यात्रा हमें इन सब से दूर कर शांति, प्रेम, स्वतंत्रता, और स्वयं की पहचान कराती है। अर्थात् ध्यान हमें सच्चाई की ओर ले जाता है। अंत में इतना ही कहूँगा दोस्तों कि ध्यान कोई तकनीक नहीं बल्कि जीवन जीने की नई दृष्टि है। ध्यान सोचने से नहीं आता, देखने से आता है। ध्यान कोई कार्य नहीं, जागरण है। इसलिए जागोज और अपने भीतर झाँको। दोस्तों, अगर मेरी बात से सहमत हैं और ध्यान की यात्रा पर आगे बढ़ना चाहते हैं तो आज ही शुरू करें और कुछ पलों के लिए मौन में बैठें, अपनी साँस को महसूस करे और अपने विचारों को आते-जाते देखें। बस जल्द ही आप पाएंगे कि आपका जागरण वहीं से शुरू हो जाता है। इसलिए हमेशा याद रखें, मन है द्वार संसार का, ध्यान है द्वार मोक्ष का।

इंदौर पुलिस के साइबर जागरूकता महाअभियान ने छुआ एक और पायदान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर श्री राजेश दंडोतिया ने पुलिस टीम के साथ शर्मा एकेडमी कोचिंग संस्थान में पहुंचकर, सायबर अवेयरनेस के तहत अपनी 750 वीं कार्यशाला लगाकर वहां उपस्थित करीब 150 स्टूडेंट्स व स्टाफ को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के विषय में बताते हुए, पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की केस स्टडी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड तथा सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर, किस प्रकार अपराधी हमें अपना शिकार बनाते हैं आदि के बारे में जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराध होने पर हेल्पलाइन-1930, cybercime.gov.if तथा इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 704912445 आदि पर किस प्रकार शिकायत करें तथा पुलिस इन पर किस प्रकार कार्यवाही करती है इसका भी व्यवहारिक ज्ञान दिया। विदित हो कि, साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के अभियान के तहत इंदौर पुलिस द्वारा लगातार स्कूल/कॉलेज, संस्थानों, बैंक, औघोगिक इकाईयों, कॉलोनियों, में बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक के हर जाति वर्ग के लोगों के बीच जाकर उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिये जागरूक किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में एडिशनल डीसीपी की यह 750 वीं कार्यशाला थी, जिसमें उन्होंने सभी स्टूडेंट्स को विभिन्न साइबर फ्रॉड की जानकारी देते हुए कहा कि, चूंकि हम सभी आजकल ज्यादा से ज्यादा काम और पढ़ाई भी ऑनलाइन ही कर रहे है और इसी दौरान हमारी छोटी सी गलतियां भी इन साइबर क्रिमिनल्स के लिए बड़ा मौका बन जाती है। अतः साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक और सतर्क रहकर पूरी सावधानी के साथ डिजिटल लेन-देन व अन्य कार्य व सोशल मीडिया का उपयोग करें, अनजान लिंक पर क्लिक करने व ऑनलाइन गेम खेलने मे भी ध्यान रखें और अपनी निजी जानकारी किसी से कभी भी शेयर न करें।

मासिक सैनिक सम्मेलन 6 को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय इंदौर द्वारा मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन 06 जून 2025 को प्रातः 11.30 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी, इंदौर के सभाकक्ष में किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, इंदौर करेंगे। सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों की समस्याओं का उचित समाधान एवं शासन/केन्द्रीय सैनिक बोर्ड द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

धारदार हथियार से मारा था राजा को, परिजन शव लेकर इंदौर रवाना

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मेघालय की राजधानी शिलांग के पर्यटन क्षेत्र में इंदौर के राजा रघुवंशी की नृशंस हत्या की गई थी। हत्या में पेड़ काटने के औजारों और धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया और लाश को गहरी खाई में फेंक दिया गया था। राजा का शव 11 दिन बाद सोमवार को मिला था। मंगलवार को पोस्टमॉर्टम में हत्या की पुष्टि हुई। परिजन शव लेकर इंदौर के लिए रवाना हो गए, वे बुधवार को इंदौर पहुंच सकते हैं। उधर, राजा की पत्नी सोनम का 12 वें दिन भी पता नहीं चला। राजा के परिजनों ने मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा से पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

राजा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शरीर पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। लाश को खाई में फेंकने से शरीर की हड्डियां भी टूट गई थीं। यह बात शिलांग एसपी विवेक सिम ने बताई है।शिलांग में हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम 23 मई को लापता हो गए थे। पुलिस ने राजा की हत्या में इस्तेमाल हथियार भी जब्त किया है। पुलिस तात्कालिक विवाद के चलते हत्या की वजह मान रही है।

कुछ देर के लिए व्यू पाइंट पर रुकी थी स्कूटी

पुलिस अधिकारियों ने जीपीएस ट्रैकर के जरिए पता लगाया है कि किराए पर ली गई स्कूटी एडी व्यू पॉइंट पर रुकी थी। इसके चलते वहां भी सोनम की तलाश की गई। इस क्षेत्र में एक झरना भी है। वहां भी ड्रोन की मदद से खोजबीन की गई, जबकि राजा का शव वेइसाडोंग में मिला है। परिजनों ने आशंका जताई है कि स्थानीय लोगों ने ही राजा की हत्या की है। जिस स्थान पर राजा रघुवंशी की लाश मिली है। वहां से फोरेंसिक विशेषज्ञों ने सबूत जुटाए हैं। शव काफी शत-विक्षत हो चुका था। जांच के लिए राजा के नाखून के सैंपल भी लिए गए हैं। पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि घटना स्थल से स्कूटर 25 किलोमीटर आगे तक कैसे चला गया। वहां तक उसे आखिर कौन ले गया?

राजा की हुई थी दुकानदार से बहस

यह भी पता चला है कि राजा और सोनम जब खाई में उतरे थे तो उन्होंने कॉफी और केला खाया था। सोनम को कॉफी अच्छी नहीं लगी थी। इस कारण राजा ने दुकानदार से बहस की थी। पुलिस दुकानदार से भी पूछताछ कर रही है। राजा के शव के पास एक महिला का सफेद टी शर्ट भी मिली है। पुलिस यह भी पता कर रही टी शर्ट सोनम की है या किसी ने खाई में फेंक दी। फिलहाल पुलिस का फोकस सोनम को खोजने पर है। उसके मिलने के बाद पूरे मामले की गुत्थी सुलझ सकती है।

सोनम का नहीं चला पता

मंगलवार को पहले सोनम की खोज पार्किंग यार्ड वाले हिस्से में दो किलोमीटर के दायरे में की गई। खोज दल में 70 से ज्यादा सदस्य शामिल थे। इसके अलावा ड्रोन की मदद भी ली गई, लेकिन शाम तक उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस अफसरों ने दूसरे स्थानों पर तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली है।

सोनम का अपहरण किया?

आशंका जताई जा रही कि स्थानीय लोगों से विवाद के बाद राजा को खाई से नीचे फेंक दिया गया होगा और सोनम को बदमाश अपहरण कर दूसरी जगह ले गए होंगे।

दवा राजा की निकली

खाई में मिले राजा के शव के पास एक दवा भी मिली है। परिजनों ने कहा कि राजा को एसिडिटी की शिकायत रहती है। वह दवा उसकी ही होगी। सोनम और राजा के पास तीन मोबाइल फोन थे। वे तीनों अब तक नहीं मिले हैं। शव का पोस्टमॉर्टम हो चुका है, लेकिन उसकी रिपोर्ट नहीं मिली है।

अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस

पुलिस पार्किंग स्थल के आसपास रहने वाले लोगों से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज किया है, लेकिन आरोपी अभी अज्ञात है। पुलिस लूट और तात्कालिक विवाद के बाद हत्या मानकर इस मामले की कड़िया जोड़ने का प्रयास कर रही है।

नाबालिग का अपहरण, कार में जबरन बैठाकर ले गए आरोपी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई, जिसमें एक नाबालिग छात्रा का अपहरण किया गया। यह छात्रा 8वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी और गर्मी की छुट्टियों में एक फैक्ट्री में काम कर रही थी। सोमवार दोपहर को जब वह खाना खाकर अपनी ड्यूटी पर वापस जा रही थी, तभी शुभम पेट्रोल पंप के पास एक काली कार आकर रुकी। कार से एक महिला उतरी और छात्रा का मुंह दबाकर उसे जबरन कार में बैठाकर ले गई।

छात्रा ने बताया कि वह कुछ देर तक होश में नहीं थी, लेकिन जब उसे होश आया तो उसने पाया कि कार रेती मंडी चौराहे के पास खड़ी थी। कार में महिला के साथ दो युवक भी थे, जो बाहर खड़े होकर किसी का इंतजार कर रहे थे। इस मौके का फायदा उठाते हुए छात्रा ने कार का गेट खोला और वहां से भाग निकली। वह सीधे अपने घर पहुंची और परिवार को इस पूरी घटना के बारे में बताया। परिजनों ने शाम को राजेन्द्र नगर थाने में पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। छात्रा चित्रकूट नगर की रहने वाली है और इन दिनों शियान नामक फैक्ट्री में काम कर रही थी। हालांकि, छात्रा ने घबराहट के कारण कार का नंबर नहीं देखा। राजेन्द्र नगर थाना प्रभारी ने बताया कि लड़की की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस जल्द ही इस मामले में ठोस कार्रवाई करने का आश्वासन दे रही है।

जंगल में मिला डांस टीचर का शव जन्मदिन मनाकर निकला था, दो दिन बाद यूं हुई दर्दनाक मौत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर से दो दिन पहले लापता हुए कोरियोग्राफर का शव मंगलवार को सिमरोल क्षेत्र के जंगल में एक नाले के किनारे पड़ा मिला। मृतक की पहचान अन्नपूर्णा क्षेत्र निवासी अमित पाल के रूप में हुई है, जो शादियों में डांस सिखाने का काम करता था। शव की हालत देखकर स्पष्ट है कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई और फिर पत्थरों से कुचलकर पहचान छुपाने की कोशिश की गई। पुलिस ने मामले को हत्या मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

गांव वालों ने दी सूचना, मौके पर पहुंची पुलिस

डीएसपी उमाकांत चौधरी ने जानकारी दी कि मंगलवार दोपहर ग्रामीणों ने आशापुरा के पास एक नाले में शव पड़ा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि शव उल्टा पड़ा था और गले में गमछा कसकर हत्या की गई थी। शरीर पर भारी पत्थर भी रखे गए थे। इन तथ्यों के आधार पर पुलिस को शक है कि हत्या कर शव को छुपाने की कोशिश की गई है। परिवार वालों ने बताया कि 1 जून की रात अमित ने अपने छोटे भाई का जन्मदिन मनाया था। केक काटने के बाद उसने कहा था कि वह थोड़ी देर में लौट आएगा, लेकिन फिर वह कभी घर नहीं लौटा। परिजनों ने अगले दिन, 2 जून को अन्नपूर्णा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस की शुरूआती जांच में यह पता चला कि अमित का मोबाइल फोन आखिरी बार खंडवा रोड पर एक्टिव था, उसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिला। शव बरामद होने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और पहचान की। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और अमित के दोस्तों और करीबियों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही हत्या की वजह और आरोपी का खुलासा किया जा सकता है।

जून की पहली बारिश ने बदला मौसम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में सोमवार को जून महीने की पहली बारिश दर्ज की गई। हालांकि यह बारिश केवल कुछ क्षेत्रों में ही रिमझिम फुहारों के रूप में देखने को मिली। बारिश के बावजूद शहर में उमस बनी रही, लेकिन पहले की तुलना में इसमें हल्की राहत महसूस की गई। बारिश की वजह से तापमान में भी थोड़ा बदलाव आया, जिससे मौसम कुछ हद तक सुहावना हो गया।

बारिश ने दी राहत, 3 डिग्री गिरा तापमान

आज सुबह से शाम तक चले बारिश के दौर ने गर्मी और उमस से राहत दे दी है। मंगलवार को पारा 3.3 डिग्री गिरकर 31.3 पर आ गया वहीं सोमवार रात के पारे में 1.7 डिग्री की उछाल देखी गई थी और पारा 24.9 पर आ गया था। आज 8 मिमी यानी .31 इंच बारिश दर्ज की गई। इन दिनों इंदौर और आसपास के इलाकों में प्री-मानसून की गतिविधियां सक्रिय हैं। मंगलवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। सुबह 10 बजे के आसपास कुछ क्षेत्रों में दो से तीन मिनट तक हल्की बूंदाबंदी भी हुई। मौसम विभाग ने तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है, जिससे शहरवासियों को कुछ हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले 24 घंटों के आंकड़ों के अनुसार, इंदौर में दिन का तापमान 1 डिग्री सेल्सियस कम हुआ है, जबकि रात का तापमान 1 डिग्री बढ़ा है। सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5 डिग्री कम रहा। वहीं, रात का तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। सुबह से दोपहर तक मौसम में धूप-छांव का दौर चलता रहा, लेकिन शाम 5 बजे के आसपास तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई और मौसम ठंडा महसूस हुआ।

मॉनसून की प्रतीक्षा, 10 जून के बाद ही संभावित एंट्री

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि इस समय प्रदेश में प्री-मानसून की गतिविधियां चल रही हैं। दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम के प्रभाव से कहीं तेज आंधी चल रही है तो कहीं बारिश हो रही है। यह स्थिति आगामी 6 जून तक बनी रह सकती है। इंदौर में फिलहाल एक सप्ताह तक भारी बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही हो सकती है। वर्तमान में मानसून महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में एक ही स्थान पर ठहरा हुआ है। मंगलवार को भी इंदौर में सुबह हल्की ठंडक, दोपहर में तेज धूप और फिर बादलों की आमद के साथ मौसम सुहावना रहने की संभावना है। अब तक इंदौर में प्री-मानसून के तहत कुल 8.1 इंच बारिश रिकॉर्ड की जा चुकी है।

आदर्श श्रमिक गृह निर्माण संस्था के विरुद्ध जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

इंदौर। इंदौर में भूमि संबंधी अनियमितताएं करने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में भूमि अनियमितताओं पर कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर आदर्श श्रमिक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदौर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। संस्था द्वारा शासन से प्राप्त विशेष छूट की शर्तों का उल्लंघन किए जाने पर कार्रवाई करते हुए जिला न्यायालय इंदौर में संस्था के कुल 65 भूखंडों के पंजीयन विलेख निरस्त करने हेतु 65 अलग-अलग वाद प्रस्तुत किए गए हैं। यह कार्रवाई इंदौर के कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निदेर्शों के परिपालन में की गई है। उल्लेखनीय है कि संस्था के सदस्यों से बार-बार शिकायतें प्राप्त होने पर जिला प्रशासन ने मामले की जांच करवाई थी। जांच में यह तथ्य सामने आया कि संस्था ने नगर भूमि सीमा अधिनियम, 1976 की धारा 20(5) के अंतर्गत शासन से प्राप्त भूमि क्रय की अनुमति के आदेश में निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित भूखंडों पर दर्ज दस्तावेजों को निरस्त कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई।

लालबाग में आधुनिक मुक्ताकाश का निर्माण किया जायेगा, संभागायुक्त कार्यालय में वास्तुविद ने दिया प्रजेंटेशन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

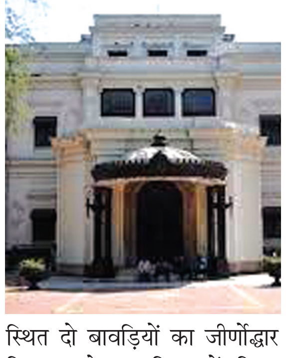

19वीं सदी में जैसा लालबाग पैलेस था, उसको उसी स्वरूप में दिखाने के पूरे प्रयास किये जाएंगे। स्कूली बच्चों को अपनी कला प्रतिभा दिखाने के लिए आधुनिक मुक्ताकाश का निर्माण किया जायेगा। जिसमें नाटकों का मंचन होगा। इससे स्थानीय कला को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिये भारतीय मार्शल आर्ट के प्रशिक्षण हेतु एक केन्द्र बनाया जायेगा। यह जानकारी वास्तुविद श्री पुनीत सोहल और कार्यपालन यंत्री श्री डी.एस. परिहार ने संभागायुक्त श्री दीपक सिंह को संभागायुक्त कार्यालय में प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुर्नविकास के कार्य शुरू हो गये हैं।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त पार्किंग बनाया जायेगा, जिससे सुगमता के साथ वाहनों का पार्किंग किया जा सकेगा। पर्यटकों के लिये सर्वसुविधायुक्त कैफेटेरिया बनाया जायेगा। लालबाग पैलेस परिसर में स्थित दो बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जायेगा। परिसर में स्थित उद्यान में गुलाब सहित ऐसे पौधों का रोपण किया जायेगा, जो मालवा की संस्कृति के अनुरूप हो। उन्होंने आगे बताया कि केन्द्रीय संग्रहालय का भी उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। पर्यटकों की सुविधा के लिये पेयजल, शौचालय आदि बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। साथ ही सीसीटीवी कैमरे, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये जाएंगे। दिव्यांगों के लिये विशेष व्यवस्था की जायेगी। विशेषकर रैम्प बनाया जायेगा। विभिन्न कलाओं को बढ़ावा देने के लिये वर्कशॉप और सेमिनार के आयोजन भी किये जाएंगे।

विशिष्ट आदिवासी बालक क्रीडा परिसर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। इंदौर के छोटी बेटमा स्थित विशिष्ट आदिवासी बालक क्रीडा परिसर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यहां बच्चों को शिक्षा के साथ खेल का भी प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस संस्था में प्रवेश निशुल्क मिलेगा। यह संस्था आवासीय है। संस्था में विभिन्न विधाओं यथा एथेलेटिक्स, हैण्डबाल, कुश्ती आदि विधाओं का प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था है। संस्था में कुल 200 सीट स्वीकृत है। चयन प्रक्रिया हेतु इच्छुक विद्यार्थी 19 एवं 20 जून को आवेदन के साथ शारीरिक परीक्षण एवं बैटरी टेस्ट हेतु परिसर में उपस्थित हो सकते हैं। विद्यार्थियों का चयन टेलेन्ट सर्च के माध्यम से किया जायेगा। जनजाति विभाग की सहायक आयुक्त ने बताया कि मिनी समूह में 11 वर्ष से 14 वर्ष तक के विद्यार्थी, जूनियर समूह में 15 से 16 वर्ष तक के विद्यार्थी तथा सीनियर समूह में 17 वर्ष से 18 वर्ष तक के विद्यार्थियों का चयन किया जायेगा। सभी समूहों के विद्यार्थी क्रीडा परिसर में टैलेन्ट सर्च हेतु उपस्थित हो सकते हैं। रिक्त सीट के विरूद्ध प्रवेश दिया जायेगा।

अन्य कार्यों से मुक्त करने या कैमरे से समय पर पहुंचेंगे अधिकारी- सवाल

एसडीएम, तहसीलदार की सुनवाई शंका के घेरे में, कैमरे से रखी जाएगी नजर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एसडीएम और तहसीलदार हर दिन मिलने वाली अलग-अलग जिम्मेदारी के चलते काम कर नहीं पा रहे हैं और उन पर नजर रखने के लिए कैमरे लगाए जा रहे हैं। अधिकारियों की कार्यप्रणाली और सुनवाई को भी अब उच्च अधिकारी कैमरे से देखेंग। पिछले दिनों हुई राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट कह दिया कि अधिकारी समय पर अपने कक्ष में या बोर्ड पर सुनवाई के लिए नहीं पहुंचते। किसान और आवेदक घंटे का इंतजार करते हैं अधिकारियों के समय नहीं देने के कारण आवेदनों का निराकरण नहीं हो पा रहा है।

इसको लेकर एसडीएम और तहसीलदार के कक्ष और सुनवाई बोर्ड पर कैमरे लगाए जाएंगे। साहब ने यह कारण बताकर सभी को अचरज में डाल दिया। इंदौर का कर्मचारी और प्रमुख तबका ही नहीं आम आदमी भी जानता है कि हर दूसरे दिन विशेष अतिथियों के आगमन के चलते अधिकारियों को नई-नई जिम्मेदारी मिल जाती है विभिन्न आयोजनों की तैयारी में भी राजस्व अधिकारियों को ही लगाया जाता है। जिम्मेदारी और न्यायालय कार्य में लगने से वह अपने कार्यालय पर समय पर नहीं पहुंच पाते हैं। वहीं यह भी कहा गया कि अधिकारियों की सुनवाई का तरीका सही नहीं है, उसे पर रखने के लिए भी कैमरे से नजर रखी जाएगी। कैमरों के माध्यम से अधिकारियों की उपस्थिति, प्रकरणों की सुनवाई की प्रक्रिया और अन्य गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। सुनवाई का तरीका कैमरे से बदल जाता तो कब से कैमरे लगा दिए जाते। जिस जिस तरह से सुनवाई करता है। यहां कोई भी यह स्पष्ट नहीं करना चाहता कि किसी अधिकारी के कक्ष में कौन-कौन से लोग कितने समय तक और कितनी बार आकर बैठते हैं। अधिकारियों की हर दिन भंग होती गोपनियता के अलावा अन्य जानकारी सामने आने के बाद कैमरा लगाने का निर्णय लिया गया है। बताया जाता है कि जिस प्रकार नायब तहसीलदार मल्हारगंज का एवीजी कर्मचारी पूरे समय उनके व उनके कमरे में बैठा रहता था, उसी तरह कुछ अन्य अधिकारियों के भी अपने निजी कर्मचारी है जो उनके लिए विशेष कार्य करते हैं। कलेक्टर तक इस तरह की कई बातें पहुंची है, जिसके चलते यह कार्य किया जा रहा है। कुछ कंप्यूटर ऑपरेटर की मनमानी और उनको लेकर सामने आई शिकायतों के बाद भी इस तरह से उन्हें पकड़ा जा सकता है। उल्लेखनीय की इंदौर में पुराने कलेक्टर कार्यालय के समय भी सभी बोर्ड पर कैमरे लगाए गए थे, किंतु यह कैमरे दो माह से अधिक नहीं चल पाए थे। नवीन प्रशासनिक संकुल निर्माण के बाद कार्यालय में जगह-जगह कैमरे लगा दिए गए किंतु जब इनकी जरूरत होती है तब कैमरे या तो खराब हो जाते हैं या चूहे उनके तार कट जाते हैं उनकी देखरेख सही तरीके से नहीं होती है।

डॉ. संध्या जैन को भावभीनी विदाई के साथ उनके सेवा कार्य की हुई सराहना

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। स्वशासी दंत चिकित्सा महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ संध्या जैन को एमजीएम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सभाग्रह में भावभीनी विदाई दी गई और उनके सेवा कार्य व विकास कार्य की उपलब्धि की सराहना की गई. विदाई समारोह के मुख्य अतिथि एमजीएम सुपर हॉस्पिटल के अध्यक्ष सुमित शुक्ला रहे. शहर के विभिन्न हॉस्पिटल के अनेक प्रतिष्ठित डॉक्टर्स के साथ ही पूर्व प्राचार्य डॉ. देशराज जैन भी इस समारोह में उपस्थित रहे.

चित्र में डॉ. सुमित शुक्ला डॉ. संध्या जैन को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए. साथ में अन्य प्रतिष्ठित डॉक्टर्स.

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बाल भवन का किया निरीक्षण

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। अतिरिक्त मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बाल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने बाल भवन में चल रही गतिविधियों के तहत कंप्यूटर प्रशिक्षण, गायन प्रशिक्षण, नृत्य प्रशिक्षण एवं ड्राइंग प्रशिक्षण का निरीक्षण भी किया। साथ ही बाल भवन द्वारा नवाचार के तहत स्वयंसेवी संस्था ऑलवेज हेल्पिंग हैंड्स के सहयोग से तहत महिलाओं को दिए जाने वाले सिलाई प्रशिक्षण का भी निरीक्षण कर संतोष व्यक्त किया और इस विशेष प्रयास की सराहना की। निरीक्षण के दौरान उनके साथ संयुक्त संचालक डॉ. संध्या व्यास, बाल भवन के सहायक संचालक श्री विष्णु प्रताप सिंह राठौर, उप संचालक श्रीमती सुनीता यादव, कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा आदि विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलावती डेम से बारद्वारी फिल्टर प्लांट तक पानी लाने के लिए पाइप लाइन हेतु नपा अध्यक्ष व सीएमओ ने जमीन चिन्हित की

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट व रेलावती डेम से बारद्वारी फिल्टर प्लांट तक पानी लाने हेतु पाइप लाइन हेतु रेलावती डेम पर इंटेकवेल व बीपीटी (ब्रेक प्रेशर टैंक) ब्रेक प्रेशर टैंक के लिए जमीन के चयन हेतु नपा अध्यक्ष व सीएमओ ने जमीन चिन्हित की। अभी पाइप लाइन हेतु सर्वे कार्य किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी द्वारा अनुबंध करने के बाद कार्य आदेश जारी किया जाएगा।

नपा से प्राप्त जानकारी अनुसार अमृत 02 के अंतर्गत रेलावती डेम से बारद्वारी फिल्टर प्लांट तक पानी पहुंचने हेतु 20 करोड़ की लागत से पाइप लाइन डालने के कार्य हेतु टेंडर प्रक्रिया अपनाकर टेंडर को स्वीकृत किया गया। नपा द्वारा एजेंसी को अनुबंध के लिए पत्र लिखा गया। एजेंसी ने अभी तक अनुबंध नहीं किया है। इस दौरान एजेंसी द्वारा पाइप लाइन हेतु सर्वे का कार्य कर रही है। जिसके तहत रेलावती डेम पर इंटेकवेल व ब्रेक प्रेशर टैंक के निर्माण हेतु भूमि को चिन्हित किया जाना था। इसको लेकर नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव, पूर्व नपा अध्यक्ष अरुण चौधरी, प्रवक्ता सुनील अग्रवाल, पार्षद गणेश राठौड़, सचिन शर्मा, सुनील शर्मा, विजय स्वामी विवेक तिवारी, सीएमओ मधु चौधरी, उपयंत्री सचिन अलुने, विशाल जोशी के साथ सर्वे टीम रेलावती डेम जाकर भौगोलिक स्थिति जानकर जमीन को चिन्हित किया गया। जिसमें इंटेकवेल डेम डेट वाटर के पास बनाने का निर्णय लिया गया है। ताकि डेम में पानी बहुत कम रहने व नहर में पानी नहीं जाने की स्थिति में इंटेकवेल में नपा की आवश्यकता अनुसार पर्याप्त पानी आता रहे। जो डेम से

करीबन 200 मीटर दूरी पर निर्मित होकर पुलिया का निर्माण होकर अवरफ्लो पानी के डेम के पास ब्रेक प्रेशर टैंक बनाया जाएगा। नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने कहा कि हमने ग्रीष्म ऋतु में पेयजल हेतु रेलावती डेम से पानी आरक्षित कराया जाता है जो नदी के मध्य से बारद्वारी फिल्टर प्लांट तक जाता है। इस दौरान बड़ी मात्रा में पानी का अपव्यय होता है जिसमें वाष्पी करण किसानों द्वारा कृषि हेतु पानी का दोहन किया जाता है जिसकी वजह से पेयजल संकट गहरा जाता हैं। इसके लिए हमने सरकार से रेलावती डेम से पाइप लाइन के माध्यम से पानी लाने की योजना बनाकर सरकार की अमृत 02 के तहत योजना को स्वीकृत कराया। पाइप की डिजाइन के कारण 5 से 6 बार टेंडर जारी किए गए किंतु किसी ने भी इसमें रुचि नहीं दिखाने से पाइप लाइन की डिजाइन को बदला गया जिससे कई लोगों ने रुचि दिखाई। टेंडर स्वीकृत होकर एजेंसी को अनुबंध के लिए लिखा है। अभी एजेंसी ने अनुबंध तो नहीं किया है किंतु टेंडर की शर्ते अनुसार वे पाइप लाइन का सर्वे किया जा रहा हैं। एजेंसी शीघ्र अनुबंध कर कार्य आदेश दिया जाएगा। हम चाहते है कार्य शीघ्र प्रारंभ होकर अगले साल तक योजना का लाभ मिल सके।

काव्य संग्रह पंखुड़ियां का विमोचन हरिद्वार में अवधेशानंद गिरि जी के कर कमलों द्वारा संपन्न

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेंधवा से हिंदी साहित्य में एम. ए. करने वाली सेंधवा की प्रेक्षा सक्सेना के काव्य संग्रह पंखुड़ियां को मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी और संस्कृति परिषद से अनुदान प्राप्त काव्य संग्रह पंखुड़ियां का विमोचन हरिद्वार में हरिहर आश्रम में आचार्य, महामंडलेश्वर, जूनापीठाधीश्वर, अवधेशानंद गिरि जी के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

सेंधवा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेंधवा से पढ़कर प्रेक्षा सक्सेना ने हिंदी साहित्य में एम ए कर काव्य संग्रह पंखुड़ियां पर पुस्तक लिखी गई जिसके लिए मप्र साहित्य अकादमी व संस्कृति परिषद द्वारा अनुदान दिया गया। उक्त पुस्तिका का विमोचन हेतु हरिद्वार संत आचार्य अवधेशानंद गिरी ने प्रेक्षा सक्सेना को हरिद्वार में अपने आश्रम में पुस्तिका का विमोचन अपने हाथों किया गया। विमोचन के दौरान आश्रम के सदस्य, देश के विभिन्न स्थानों से आए हुए स्वामी जी के भक्त तथा सेंधवा से रसायन विज्ञान की व्याख्याता सुश्री अंतिम बाला शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अंतिम बाला शर्मा ने बताया कि भारत के प्रख्यात संत, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य, महामंडलेश्वर, अनंत श्री विभूषित आध्यात्मिक गुरु, परम पूज्य* स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज से हरिद्वार में विमोचन के दौरान भेट हुई। यह भेट मेरे जीवन में केवल एक साधारण मुलाकात नहीं थी, बल्कि आत्मा की गहराइयों को स्पर्श करने वाला एक दुर्लभ अनुभव बन गई। स्वामी अवधेशानंद गिरि जी से साक्षात्कार का क्षण अत्यंत भाव विभोर करने वाला था।उनकी सरलता, तेजस्विता और आध्यात्मिक आभा ने वातावरण को भक्ति रस में सराबोर कर दिया जैसे ही गुरुजी के दर्शन हुए ,मन मैं वर्षों से संचित श्रद्धा अपने चरम पर पहुंच गई। शब्द स्वत ही मौन में बदल गए। मैं शब्दों में उस अनुभूति को व्यक्त नहीं कर पा रही हूं। यह अनुभव मेरे जीवन की अमूल्य निधि बन गया है। गुरुजी से मिलना मानो आत्मा को दिशा और ऊर्जा देने वाला क्षण था। हरिद्वार की पावन भूमि पर यह भेट एक दिव्य संयोग की तरह हुई। जिसने यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची श्रद्धा और धैर्य के साथ की गई प्रार्थना कभी व्यर्थ नहीं जाती। यह मुलाकात न केवल एक आध्यात्मिक अनुभूति थी, बल्कि एक प्रेरणा भी है।उन सभी के लिए ,जो संतो के दर्शन की आकांशा रखते हैं। गुरु से मिला आशीर्वाद व्यक्ति को जीवन के हर मोड़ पर मार्गदर्शन और संबल प्रदान करता है। संत गिरी जी ने काव्य पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए अध्यन अत्यंत आवश्यक है। संत के सानिध्य में आपके जीवन में परिवर्तन आता है अच्छे विचार ही मानव को प्रगति दिलाता है। यह काव्य पुस्तिका मानव जीव को प्रेरणा देकर उनके जीवन को सार्थक बनाने में सहायता देगी। हर इंसान ने कुछ समय भगवान के लिए निकलना चाहिए। भगवान के दर्शन मात्र से आपके अंतर मन आध्यात्मिक भाव उत्पन्न हो जाते है। इसलिए भगवान का स्मरण करते रहना चाहिए धार्मिक पुस्तक का भी अध्ययन करना चाहिए।

पूज्य जलाराम बाप्पा की मूर्ति की भव्य शोभायात्रा निकाली गई

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। आज शहर सेंधवा में पूज्य जलाराम बाप्पा की मूर्ति की भव्य शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा में एक सुसज्जित रथ पर जलाराम बप्पा की मूर्ति विराजित थी लड़कियों ने सिर पर कलश रखकर जलाराम बप्पा की आगवानी कि साथ ही डीजे की धुन पर महिलाए गरबा नृत्य कर रही थी शोभायात्रा। राम मंदिर से शुरू होकर श्याम बाजार। मोतीबाग चौक। होते जलाराम मंदिर पहुंची जहा जलाराम बापा की आरती वसानी परिवार द्वारा की गई आरती पश्चाच पेड़े की प्रसादी वितरित की गई 4-6-25 को सुबह 9 बजे से नियमित पूजा रहेंगी एवम दोपहर 4 बजे हवन होगा। तारीख 5-6-25 को सुबह 10.30 बजे पूज्य जलाराम बाप्पा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवम हवन की पूणार्हुति होगी आज इस अवसर पर चेतन वसानी भावेश

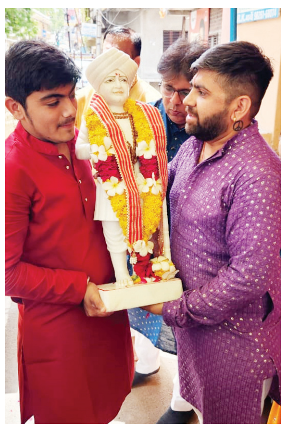

वसानी दिलीप बुद्धदेव राजेंद्र बुद्धदेव कीर्ति ठक्कर कमलेश मेहता चंद्रेश वसानी निलेश जैन मुकेश शर्मा मनोज पटेल दीपक जैन राजेश वसानी भरत बुद्धदेव निलेश बुद्धदेव किशोर शीतल बुद्धदेव जयेश बुद्धदेवअनिल वडेरा कुणाल वसानी विपिन बुद्धदेव सहित बड़ी संख्या में महिलाएं बच्चे उपस्थित थे।

शिप्रा तीर्थ परिक्रमाः मां शिप्रा को 351 फीट लंबी चुनरिया अर्पित करेंगे सीएम, रामघाट से शुरू

उज्जैन

जल गंगा संवर्धन अभियान में 4 जून को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का शुभारंभ रामघाट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ध्वज पूजन कर परिक्रमा की शुरूआत करेंगे। गंगा दशमी के पूर्व संध्या पर प्रसिद्ध भजन गायक पवन तिवारी शिप्रा तट पर प्रस्तुति देंगे। शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के श्रद्धालु गंगा दशमी 5 जून को शिप्रा तट पर पहुंचेंगे। रामघाट पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव मां शिप्रा को 351 फीट लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। इस अवसर पर गायिका स्वस्ति मेहुल, आर्मी सिफनी बैंड एवं पंडित ढोली बुवा की हरिकथा की प्रस्तुति होगी।

शिप्रा लोक संस्कृति समिति के सचिव नरेश शर्मा ने बताया कि नवमी एवं दशमी ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष गंगा दशहरा पर्व पर 4-5 जून को शिप्रा परिक्रमा आयोजित हो रही है। यात्रा

का शुभारंभ 4 जून को सुबह 8 बजे रामघाट पर होगा। इस अवसर पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के कार्यकारी अध्यक्ष, महंत रामेश्वरदास महाराज, मुयमंत्री के संस्कृति सलाहकार एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल निगम सभापति कलावती यादव, यादव महासभा के अध्यक्ष नारायण यादव, नगर भाजपा अध्यक्ष संजय अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी रवि सोलंकी एवं साधु-संत तथा हजारों की संया में ग्रामीण क्षेत्र से आए श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। यात्रा से पूर्व रामघाट पर पंडित पुरोहितों द्वारा ध्वज पूजन मुयमंत्री द्वारा किया जाएगा।

परिक्रमा का प्रथम दिन

बुधवार को यात्रा का शुभारंभ रामघाट से होगा, जो नृसिंह घाट, आनंदेश्वर मंदिर, जगदीश मंदिर, गऊघाट, जंतर-मंतर, वरुणेश्वर महादेव, त्रिवेणी शनि मंदिर, गोठड़ा, सिकंदरी, दाउदखेड़ी,चिंतामण, मंगरोला फंटा, लालपुल, भूखी माता मंदिर, दत्त अखाड़ा (रात्रि विश्राम) स्थलों से होते हुए दत्त अखाड़ा पर रात्रि विश्राम के साथ समाप्त होगी।

परिक्रमा का दूसरा दिन– 5 जून को यात्रा के दूसरे दिन दत्त अखाड़ा से यात्रा पुनः प्रारंभ होकर रणजीत हनुमान, कालभैरव, अंगारेश्वर महादेव, कमेड, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, गढ़कालिका, भर्तृहरि गुफा, ऋणमुक्तेश्वर, वाल्मीकि धाम होते हुए रामघाट पहुंचकर समाप्त होगी। शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के माध्यम से हर वर्ष पर्यावरणविद, वैज्ञानिक एवं समाज के प्रबुद्धजन शिप्रा की वास्तविक स्थिति का अध्ययन कर शासन को परीक्षण रिपोर्ट सौंपते हैं। इसी निरंतर प्रयासों के चलते शिप्रा किनारे अनेक विकास कार्य, घाटों का निर्माण, कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना एवं अन्य योजनाएं मूर्त रूप ले रही हैं।

8 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाया पटवार

रतलाम। सरकार की सख्ती और छापामार टीमों की लगातार कार्रवाईयों के बावजूद मध्य प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में रिश्वतखोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। लगभग हर रोज एक न एक रिश्वतखोर जिम्मेदार छापामार टीमों द्वारा ट्रेप किया जा रहा है। रिश्वतखोरी का ताजा मामला रतलाम जिले से सामने आया है। यहां लोकायुक्ट टीम ने तहसील कार्यालय में कार्रवाई करते हुए पटवारी को 8 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा है।

रिश्वतखोरी का ये मामला रतलाम ग्रामीण तहसील कार्यालय से सामने आया है। जहां गांव रोजड़का के रहने वाले फरियादी जितेंद्र सिंह पिता कमल सिंह ने आरोपी पटवारी यशवर्धन शर्मा को नक्शा बटांकन के लिए आवेदन किया था। लेकिन, पटवारी काम करने के एवज में फरियादी से रिश्वत की डिमांड करने लगा। फरियादी जितेंद्र सिंह का कहना है कि, नक्शा बटांकन के लिए पटवारी यशवर्धन शर्मा ने उससे 25 हजार रुपए रिश्वत की डिमांड की थी। पैसे न होने की बात कहने पर पटवारी ने तीन किस्तों में रिश्वत देने की बात कही। इसके बाद ही काम करने का आश्वासन दिया था। जिस समय बात हुई, तब फरियादी के पास दो हजार रुपए रखे थे, जिसे पटवारी ने रिश्वत के तौर पर ले लिए।

जालसाजों ने बनाई एम्स के डायरेक्टर की फर्जी आईडी, डॉक्टर के नाम से मांग रहे थे पैसे

भोपाल। राजधानी भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह का जालसाजों ने फर्जी फेसबुक आईडी बना ली है। फर्जी फेसबुक आईडी के जरिए जालसाज डॉ. के नाम का उपयोग कर मैसेज के जरिए उनके परिचितों, दोस्तों से पैसों की मांग कर रहे हैं। डॉ. ने सोशल मीडिया पर मैसेज पोस्ट करते लोगों को आगाह किया है कि उनके नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर पैसों की मांग की जा रही है, आप लोग मेरे नाम से किसी भी व्यक्ति द्वारा की जा रही रुपये की मांग का जवाब न दें। पैसे किसी को देने की जरूरत नहीं है। डायरेक्टर ने इस संबंध में साइबर सेल में शिकायत भी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार डॉ. के नाम से बनाए गए फर्जी फेसबुक आईडी से जब उनके परिचितों से पैसों की मांग की गई। तब जाकर एम्स के एक्जक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह को पता चला। इसके बाद उन्होंने कहा कि आजकल इंटरनेट और सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों से ठगी करने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब उनके नाम का दुरुपयोग हुआ है। इससे पहले भी कई बार फर्जी प्रोफाइल बनाकर इंटरनेट मीडिया पर लोगों को ठगने की कोशिश की जा चुकी है।

Change in Name

I **DEEPA MAHESHWARI W/o RAJESH MAHESHWARI** here by Declare That I have changed My name **as DEEPIKA MAHESHWARI W/o RAJESH MAHESHWARI** so, from now and in future I will be known by my new name **DEEPIKA MAHESHWARI W/o RAJESH MAHESHWARI**

Add: 219, Brahmpuri, Piplyarao, Indore, M.P 452001

मोहन के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहा है देश का हृदयप्रदेश एमपी

मध्यप्रदेश देश के हृदय स्थल में बसा एक ऐसा राज्य है जिसने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आज पूरे देश में नई मिसाल कायम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों को महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनाया है। स्व-सहायता समूह न केवल ग्रामीण और शहरी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश ने कई उपलब्धियों को हासिल किया है। मोहन सरकार की अनेक नीतियां और योजनाएं महिलाओं के उत्थान में सहायक साबित हो रही है।

हर्षवर्धन पाण्डे
(लेखक)
ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जा रहा है। वर्तमान में, राज्य में 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे लगभग 62 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। ये समूह महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, कौशल विकास, और सामुदायिक नेतृत्व के अवसर प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि स्व-सहायता समूह न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का साधन हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी एक जन-आंदोलन है। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं जिनका प्रभाव राज्य के हर कोने में महसूस किया जा सकता है। मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है। लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। इससे न केवल आर्थिक रूप से महिलाओं की स्थिति बेहतर हो रही है बल्कि महिलाएं डिजिटल युग की सहभागी भी बन रही हैं। इस योजना के तहत 1.27 करोड़ महिलाओं को अब तक 35,329 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, 25 लाख महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 882 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों में बचत को प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं।राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता हम होंगे कामयाब अभियान चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, साइबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया गया।मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 1 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति

दीदी बनाया है। सरकार का लक्ष्य 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित कर रही है।मध्यप्रदेश में 850 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है, जिससे महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन मिला है। इसके अलावा, रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्यरत महिलाओं को प्रति माह 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, जिससे उनकी मासिक आय में इजाफा हो रहा है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मध्यप्रदेश में महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन समूहों ने न केवल महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। उदाहरण के लिए, स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अब स्थानीय स्तर पर उत्पादक संगठनों के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित कर रही हैं।महिलाओं के लिए 35% सरकारी नौकरियों में आरक्षण और निकाय चुनावों में 50% आरक्षण जैसे कदमों ने उनकी भागीदारी को और बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, जेंडर बजट में 19,021 करोड़ रुपये की वृद्धि और महिला सशक्तिकरण के लिए 1 लाख 21 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मोहन सरकार ने नारी सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता में रखा है। पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाई गई है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। महिला हेल्पलाइन और महिला पुलिस स्टेशन जैसी सेवाओं को भी मजबूत किया गया है। महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को अब 112 आपात सेवा से जोड़ा गया है। वर्ष 2024-25 में लगभग 82 हजार 552 महिलाओं को त्वरित सहायता मिली है। योजना के प्रारंभ से अब तक एक लाख 57 हजार महिलाओं को लाभ मिल चुका है। प्रदेश में देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर शुरू किया गया है। यह मिशन महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। इस मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों को स्टार्ट-अप अभियान से जोड़ा गया, जिसमें 8 करोड़ 10 लाख रुपये के निवेश पत्र वितरित किए गए। मोहन के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के लिए न केवल सशक्तिकरण के अवसर पैदा किए गए हैं, बल्कि अब महिलाएं पारंपरिक घरेलू कार्यों से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। सैनिटेशन और हाइजीन योजना के तहत प्रदेश की 19 लाख से अधिक बालिकाओं को 57 करोड़ 18 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है जिससे किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा मिला है। यूनिसेफ ने भी मध्यप्रदेश के इन प्रयासों की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेते हुए महिला सशक्तिकरण को नया आयाम दिया है। अहिल्या बाई ने महेश्वर से शासन चलाते हुए महिलाओं को साड़ी बुनाई जैसे कौशलों से जोड़ा, जिससे महेश्वरी साड़ियां विश्व प्रसिद्ध हुईं। इसी तरह, डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूहों को उद्यमिता और कौशल विकास से जोड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। यह प्रयास मध्यप्रदेश को नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे कृषि, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा और राजनीति जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ रही है। नारी शक्ति मिशन के तहत हर जिले की महिलाओं को सशक्तिकरण की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। उनका मानना है कि यदि नारी सशक्त होगी, तो समाज और प्रदेश स्वतः सशक्त होगा। सरकार का लक्ष्य 2047 तक मध्यप्रदेश को विकसित भारत के साथ एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाना है, जिसमें महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। समाज में महिलाओं को समान अवसर देना न केवल उनके विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। एक तरफ आज जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं वहीं लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना और नारी शक्ति मिशन जैसी अनेकों महिला केन्द्रित योजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश की महिलाएं सामाजिक रूप से भी सशक्त हो रही हैं। स्व-सहायता समूहों ने न केवल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि महिलाओं को समाज में सम्मान और स्वावलंबन की नई पहचान दी है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

पचमढ़ी अभयारण्य का नाम अब 'राजा भभूत सिंह पचमढ़ी अभयारण्य', जून में होंगे तीन जनजातीय सम्मेलन

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पूर्व पचमढ़ी में संबोधित करते हुए घोषणा की कि पचमढ़ी अभयारण्य को अब 'राजा भभूत सिंह पचमढ़ी अभयारण्य' के नाम से जाना जाएगा। यह निर्णय राजा भभूत सिंह के पर्यावरण प्रेम, ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष और जनजातीय गौरव की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभयारण्य में राजा भभूत सिंह के योगदान, जीवन और वीरता से संबंधित जानकारियां प्रदर्शित की जाएंगी। डॉ. यादव ने राजा भभूत सिंह को 1857 की क्रांति के दौरान तात्या टोपे के सहयोगी और छापामार युद्ध नीति के उस्ताद के रूप में याद किया। उन्होंने बताया कि राजा भभूत सिंह को पकड़ने के लिए अंग्रेजों को मद्रास इन्फेंट्री बुलानी पड़ी थी और 1860 में गिरफ्तारी के बाद उन्हें फांसी दी गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका जीवन आदिवासी अस्मिता, देशभक्ति और आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिसे राष्ट्रीय पटल पर लाना हम सभी का कर्तव्य है।

जून में तीन अनुसूचित जनजाति सम्मेलन होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर घोषणा की कि जून माह में प्रदेश में तीन अनुसूचित जनजाति सम्मेलन होंगे। 7 जून को डिंडौरी के बजाग में बैगा सम्मेलन, 9 जून को शहडोल के ब्यौहारी में कोल सम्मेलन और 18 जून को शिवपुरी के कोलारस में सहरिया सम्मेलन। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याणकारी शासन के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 9 से 21 जून तक राज्यभर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष को भी प्रदेश में विशेष रूप से मनाया जाएगा।

खंडवा की उपलब्धि पर दी बधाई

मुख्यमंत्री ने खंडवा जिले को जल संचय में राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी और जल संरक्षण के लिए मंत्रियों को जनभागीदारी से अभियान चलाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जल गंगा संवर्द्धन अभियान 30 अप्रैल से 30 जून तक चलाया जा रहा है। बैठक की शुरूआत वंदे मातरम् और समापन जन-गण-मन के साथ हुआ। इस दौरान मंत्रियों को सतपुड़ा अंचल की संस्कृति और राजा भभूत सिंह पर केंद्रित फिल्म भी दिखाई गई।

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की सफलता पर बधाई

मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को 31 मई को आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की सफलता के लिए बधाई दी। बैठक में महिला मंत्रियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रदेश की महिलाओं की ओर से मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। डॉ. यादव ने बताया कि मई माह में प्रधानमंत्री मोदी ने दतिया और सतना में नए हवाई अड्डों, इंदौर मेट्रो और 1271 अटल ग्राम सुशासन भवनों की सौगात देकर प्रदेश को विकास की नई दिशा दी है।

मुख्यमंत्री ने बॉम्बे ग्रीन और मणि प्रभा किस्म का स्वाद चख कर आम महोत्सव का किया शुभारंभ

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को पचमढ़ी स्थित राजभवन परिसर में दो दिवसीय आम महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने देशी और विदेशी किस्मों के आमों का स्वाद लिया और आम की विविधता की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को पचमढ़ी के राज भवन परिसर में आम महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मणि प्रभा एवं बॉम्बे ग्रीन किस्म के आम का स्वाद भी लिया। आम का रसास्वादन कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आम की मिठास और स्वाद की सराहना की। उन्होंने प्रदर्शनी में लाए गए देशी आम भी चखे। प्रदर्शनी में जम्बो केसर, सुंदरजा, कृष्ण भोग, लंगड़ा आम, गजरिया, मालदा आदि किस्मो की सराहना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं `राजेंद्र शुक्ला के साथ-साथ लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह और मंत्रीगण ने भी आम का स्वाद चखा और आम की विभिन्न किस्मों की सराहना की। इस अवसर पर नरसिंहपुर के किसान विजय पाल सिंह ने आम की विभिन्न किस्मो की टोकरी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट की। आम उत्पादक किसान सुभाष पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ यादव को यथार्थ गीता पुस्तिका भेंट की। मंगलवार को राजभवन पचमढ़ी में आयोजित आम महोत्सव में जिन किस्मो का प्रदर्शन किया गया उनमें आम्रपाली, लंगड़ा, दशहरी, चौसा, तोता परी, फाजली, बंगाल पाली, तुर्रापर, शुकर गुठली, मिश्री, हापुस, स्वर्णप्रभा, काला पहाड़, हिमसागर, स्वर्णरेखा, रत्ना, केसर, रुक्मणी, साबनिया, नीलम, सिंधु, जहांगीर, प्यारी, रॉयल मिस्त्री, जदार्लू, सेंसेशन,रस भंडार और राम केला शामिल है।

शाह का बंगला खाली, मंत्रिमंडल की बैठकों में भी नहीं जा रहे

भोपाल ■

मध्यप्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में हुई कैबिनेट बैठक में पचमढ़ी वन्य जीव अभ्यारण का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर करने का बड़ा फैसला लिया गया। इसके अलावा बैठक में अनेक अहम निर्णय लिए गए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह कैबिनेट की इस बैठक में भी नहीं आए। भोपाल स्थित बंगला भी खाली पड़ा है, वे यहां भी नहीं हैं। ऐसे में विजय शाह के समर्थक चिंतित हो उठे थे। इसी बीच उनके खंडवा में होने की सूचना आई है।

मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए बयान के बाद उनपर हाईकोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई जोकि अपने काम पर लगी है। सुप्रीम कोर्ट में मामला जाने के बाद विजय शाह ने मीडिया के साथ ही मंत्रिमंडल से भी दूरी बना ली। पचमढ़ी सहित वे कैबिनेट की तीन बैठकों में नहीं पहुंचे। कई दिनों से विजय शाह भोपाल के बंगले पर भी नहीं दिखे। उनके कहीं बाहर जाने के कयास लगाए जाने लगे थे। अब मंत्री विजय शाह के खंडवा में होने की खबर आई है। सोमवार को वे एक गैंगरेप पीड़िता के घर पहुंचे और परिवार की आर्थिक मदद की व्यवस्था की। मंत्री विजय शाह ने पीड़ित परिजनों से करीब दो घंटे तक बातचीत की।

विधायक बोले- कांग्रेस के पास कोई चेहरा नहीं है, राहुल का जवाब- मेरे पास यहीं हैं 10 नेता

भोपाल ■

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को मध्य प्रदेश दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पार्टी के विधायकों और पदाधिकारियों के साथ इंदिरा भवन, भोपाल में महत्वपूर्ण बैठक की और कार्यकताओं में ऊर्जा भरने वाले संदेश दिए।

बैठक के दौरान 'संगठन सृजन अभियान' की जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को फिर से खड़ा करना और कार्यकताओं के बीच उत्साह का संचार करना है। एक विधायक ने सवाल किया कि कांग्रेस के पास कोई चेहरा नहीं है, इस पर राहुल गांधी ने जवाब देते हुए कहा कि यहीं मेरे पास 10 नेता हैं।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के जरिए ह्यमिशन 2028ह्न की दिशा में कांग्रेस ने निर्णायक कदम उठाया है। राहुल गांधी से चर्चा के दौरान एक विधायक ने कहा कि राज्य में कांग्रेस के पास ऐसा कोई चेहरा नहीं है, जिसके दम पर पार्टी चुनाव जीत सके। उनके इस बयान पर राहुल गांधी ने आत्मविश्वास के साथ जवाब देते हुए कहा कि मेरी नजर में ऐसे 10 नेता हैं, जिनके नेतृत्व में हम चुनाव जीत सकते हैं। उन्होंने विधायक से कहा कि आप में साहस होना चाहिए। उन्होंने आगे सभी को एकजुट रहने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर संगठन के हित में काम करने की सलाह दी।

विधायक बाला बच्चन ने बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में कहा कि पार्टी के भीतर एकजुटता और बेहतर नेटवर्किंग पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर काम करना होगा और सबको समान अवसर मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने कार्यकताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि पार्टी को पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक मजबूत किया जाए। उन्होंने सभी नेताओं से कहा कि केवल आलोचना करने की बजाय संगठनात्मक मजबूती पर ध्यान केंद्रित करें। बता दें, कांग्रेस लंबे समय से मध्य प्रदेश में सत्ता से बाहर है। वर्ष 2018 में कमलनाथ के नेतृत्व में बनी सरकार भी केवल 15 महीनों तक ही चल सकी थी।

अनु. जनजाति आयोग ने चलाया अभियान एक पेड़ मां के नाम

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। देश विदेश में बिगड़ते व दोषित पर्यावरण से पूरा विश्व चिंतित है। पर्यावरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिंता जाहिर करते हुए देश को संदेश दिया है कि एक पेड़ मां के नाम से अभियान चलाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा लेकर अनुसूचित जनजाति आयोग ने भी पूरे देश में एक पेड़ मां के नाम से लगाने का अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत बड़वानी जिले में सेंधवा से प्रारंभ किया गया है।

उक्त कथन अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने सेंधवा में एक पेड़ मां के नाम पर अभियान का पौधा लगाकर प्रारंभ किया गया। उक्त जानकारी भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने देते हुए बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंगलवार को अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष आर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर अनुसूचित जनजाति आयोग ने देश व्यापी अभियान चलाकर बड़वानी जिले के सेंधवा नगर में हाउसिंग बोर्ड कालोनी देवझिरी कालोनी के पार्क में पौधा रोपण कर अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर आर्य ने बताया कि पर्यावरण मानव जीवन के लिए आवश्यक है, क्योंकि यह हमें भोजन, पानी, हवा, और आवास प्रदान करता है. यह हमारी जैव विविधता को बनाए रखने में भी मदद करता है, जो हमारे ग्रह के लिए महत्वपूर्ण है. पर्यावरण की रक्षा करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे जीवन और हमारे ग्रह के लिए आवश्यक है. नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने पौधे का रोपण करते हुए कहा कि पर्यावरण को शुद्ध करने व अच्छी वर्षा के लिए हर व्यक्ति ने अपने घर के आंगन में पेड़ लगाना चाहिए। आज हमने पौधा रोपण किया है। नपा उपाध्यक्ष मोहन जोशी ने पर्यावरण पर स्लोगन बोलते हुए बताया कि पर्यावरण है हम सबकी जान, इसलिए रखो इसका ध्यान, तो पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है, प्लास्टिक को बंद करवाना है। हरियाली फैलाएं, पर्यावरण बचाएं। भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में 5 जून को मनाया जाता है। वर्ष 1972 में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने की थी।

गोदाम में मिला बड़ी मात्रा में डीएपी, गोदाम को किया सील

शिवपुरी ■

शिवपुरी जिले में इस समय किसानों को खरीफ फसल के लिए खाद का वितरण किया जा रहा है। खाद की कालाबाजारी न हो और पूरी पारदर्शिता से किसानों को खाद का वितरण किया जाए। इसके लिए कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। राजस्व और कृषि विभाग की टीम की निगरानी में किसानों को खाद का वितरण किया जा रहा है।

कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी के निर्देशन में कृषकों को खरीफ फसलों की बोनी के लिए उर्वरकों के उचित भंडारण और वितरण की व्यवस्था की गई है, लेकिन ग्राम ठर्रा नवीन तहसील के पास निर्मित गोदाम में उर्वरक डी.ए.पी. के भंडारण की सूचना प्राप्त होने पर उप संचालक कृषि यूएस तोमर द्वारा गठित दल ने कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान गोदाम में डीएपी खाद की बोरी खिड़कियों से दिखाई देने पर गोदाम मालिक अरुण कुमार वर्मा उर्फ बबलू को फोन लगाकर गोदाम खोलने के लिए कहा गया था। लेकिन गोदाम मालिक चाबी लाने की कहकर चला गया एवं वापिस नहीं आया और मोबाइल भी बंद कर लिया। टीम द्वारा काफी देर इन्तजार करने के बाद जांच दल द्वारा गोदाम को सील कर सम्बधित को नोटिस जारी किया गया है एवं आगामी कार्रवाई उर्वरक गुण नियंत्रण अधिनियम के तहत की जा रही है। कार्यवाही के दौरान कृषि विभाग के अधिकारी, पटवारी, सचिव ग्राम पंचायत संरपच एवं अन्य ग्रामीण मौके पर उपस्थित रहे।

बकरीद से पहले कुबार्नी पर विवाद, सरपंच ने नहीं दी इजाजत तो व्यक्ति पहुंचा हाईकोर्ट

ग्वालियर। आगामी कुछ ही दिन में बकरीद आने वाली हैं, जिसमें परंपरानुसार बकरे की कुबार्नी दी जाती है, लेकिन उससे पहले बकरे की कुबार्नी से जुड़ा एक अनोखा मामला कानूनी दांव पेच में फंस गया। विदिशा जिले की हैदरगढ़ ग्राम पंचायत के सरपंच ने बकरीद पर कुबार्नी की इजाजत नहीं दी तो इस निर्णय के खिलाफ एक व्यक्ति ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाईकोर्ट ने एसडीओ से कहा कि वह वुधवार तक इस शिकायत का निरकारण करें। विदिशा के हैदरगढ़ ग्राम पंचायत के सरपंच ने बकरे की कुबार्नी की नहीं दी।
दरअसल लोगों ने किसी स्थान विशेष पर कुबार्नी की इजाजत मांगी थी, लेकिन सरपंच ने नहीं दी तो याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में याचिका लगाई।

हरियाणा में चौपालों का वर्चस्व - लोकतंत्र की जड़ें या परंपरा की जंजीर ?

हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति में चौपाल सिर्फ एक बैठने की जगह नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कभी-कभी राजनीतिक निर्णयों का अनौपचारिक मंच रही है। यह जगह जहाँ बुजुर्ग अपनी ताश की गड्डी के साथ बैठते हैं, वहीं यह सामाजिक आचार-संहिताओं का अनकहा विधान भी तय करती है। लेकिन समय के साथ सवाल यह उठने लगा है कि क्या यह चौपालें लोकतंत्र की संवैधानिकता से ऊपर होती जा रही हैं?

सत्यवान सौरभ
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

हरियाणा के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में चौपाल महज एक बैठने की जगह नहीं, बल्कि एक परंपरा, एक सत्ता संरचना, और एक अनौपचारिक न्याय प्रणाली रही है। पीपल के पेड़ के नीचे या पक्के चबूतरे पर बैठकर जब गाँव के बुजुर्ग चर्चा करते हैं, तो उसे आम भाषा में चौपाल कहा जाता है। पर यह चौपाल सिर्फ बतकही तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक दिशा तय करने वाली संस्था बन गई है। लेकिन आज सवाल यह है कि क्या यह वर्चस्व सकारात्मक है या फिर यह लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण समाज के रास्ते में रोड़ा बन रहा है?

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: चौपालों की भूमिका– हरियाणा में जब पंचायतें पूरी तरह विकसित नहीं हुई थीं, तब चौपालों का महत्व और अधिक था। गाँव का कोई भी मामला झ जमीन का झगड़ा हो, विवाह संबंध तय करना हो या किसी के बहिष्कार का निर्णय झ सब चौपाल में होता था। यह स्थानीय स्वशासन का प्रतीक था, जो सामूहिक संवाद के सिद्धांत पर टिका था। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, लोकतंत्र की संस्थाएं, पंचायत चुनाव, पुलिस-प्रशासन और अदालतें सशक्त हुईं, वैसे-वैसे चौपालों की भूमिका को भी बदल जाना चाहिए था। परंतु हरियाणा में आज भी चौपालें सामाजिक फैसलों की अनौपचारिक अदालत बनी हुई हैं।

चौपाल बनाम संविधान: एक टकराव– भारत का संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है झ जाति, लिंग, धर्म या वर्ग के आधार पर भेदभाव की मनाही है। वहीं चौपालों में अक्सर फैसले जातिगत पदानुक्रम पर आधारित होते हैं। जैसे कि: इस जाति के लड़के को उस जाति की लड़की से शादी नहीं करनी चाहिए। उसने पंचायत के बिना शादी की है, इसलिए उसका बहिष्कार होगा। ये निर्णय संविधान की मूल भावना के विरुद्ध हैं। खासकर महिलाओं और दलितों को चौपाल में बोलने का अवसर कम ही मिलता है। अधिकतर मामलों में चौपालें पितृसत्ता और जातिवाद का किला बन जाती हैं।

सामाजिक नियंत्रण या सामाजिक शोषण?– चौपालें कभी-कभी ऐसे सामाजिक नियंत्रण की भूमिका निभाती हैं जो कानून से पहले कार्रवाई करता है। उदाहरण के तौर पर, जब कोई लड़की मोबाइल फोन इस्तेमाल करती है, तो चौपाल का फैसला आता है झ मोबाइल पर प्रतिबंध लगाओ। या फिर लव मैरिज करने वालों को गाँव से निकाल दो। ऐसे फैसले सामाजिक शोषण की श्रेणी में आते हैं। आज भी हरियाणा में ऑनर किलिंग की घटनाएं सामने आती हैं, जिनकी जड़ें चौपाल के फैसलों में होती हैं। इस वर्चस्व का मूलभूत कारण यह है कि चौपालें अक्सर बुजुर्ग पुरुषों के एकाधिकार में होती हैं, जहाँ युवा, महिलाएं या सामाजिक रूप से हाशिए पर खड़े लोग आवाज नहीं उठा सकते।

चौपालों की सकारात्मक भूमिका भी है?– यह कहना गलत होगा कि चौपालें केवल नकारात्मक भूमिका निभाती हैं। कुछ क्षेत्रों में चौपालें आपसी विवाद सुलझाने, सामाजिक समरसता बनाए रखने, और सामूहिक फैसले लेने का लोकतांत्रिक रूप भी हैं। जैसे: जल संरक्षण, नशामुक्ति अभियान, या शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास। विवाहों में फिजूलखर्ची रोकने के लिए नियम बनाना। लेकिन यह भूमिका तब तक रचनात्मक है, जब तक वह सबकी भागीदारी सुनिश्चित करे और संविधान के अनुरूप हो।

राजनीतिक उपयोग और दुरुपयोग– हरियाणा की राजनीति में चौपालों का बड़ा उपयोग हुआ है। नेता चौपालों में जाकर जनसंपर्क करते हैं, लेकिन साथ ही जातिगत गोलबंदी और सामाजिक ध्रुवीकरण का जरिया भी इन्हें बनाते हैं। पंचायत चुनावों में या विधानसभा चुनावों में चौधरी जी का फैसला सब पर भारी जैसी धारणाएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुँचाती हैं।

महिलाएं और चौपाल: प्रवेश वर्जित?– हरियाणा की चौपालों में महिलाओं की सहभागिता आज भी अत्यंत सीमित है। भले ही ग्राम पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण मिला है, लेकिन जब वही महिला सरपंच चौपाल में अपनी बात रखने जाती है, तो उसे चुप करा दिया जाता है। यह दोहरा मापदंड है झ कागजी सशक्तिकरण और जमीनी उपेक्षा महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली कई सामाजिक कार्यकताओं को चौपाल संस्कृति से सीधा विरोध मिला है। इसीलिए चौपालों का वर्चस्व महिलाओं की भागीदारी के लिए बाधक बनता जा रहा है।

नई पीढ़ी की सोच और चौपालों से दूरी– आज की युवा पीढ़ी, जो इंटरनेट, सोशल मीडिया और शहरी जीवन से प्रभावित है, चौपाल संस्कृति से खुद को काटती जा रही है। उन्हें यह प्रणाली पुरानी और पक्षपाती लगती है। युवा सवाल पूछते हैं: मैं किससे प्यार करूं, इसका फैसला कोई बुजुर्ग कैसे करेगा? मेरे करियर का रास्ता मैं तय करूंगा, चौपाल नहीं। इस पीढ़ी की लोकतांत्रिक चेतना चौपालों के वर्चस्व को चुनौती दे रही है। यही लोकतंत्र की दिशा है, जिसे गाँवों में सशक्त बनाना जरूरी है।

क्या चौपालों का कोई नया स्वरूप हो सकता है?– समाधान यह नहीं है कि चौपालों को पूरी तरह खारिज कर दिया जाए, बल्कि जरूरत है उन्हें पुनर्परिभाषित करने की। उदाहरणस्वरूप: चौपालों में महिलाओं, दलितों, युवाओं को बराबर बोलने का अधिकार मिले। फैसले नियम और कानून की कसौटी पर कसे जाएं। चौपालों का उपयोग सामाजिक अभियानों, ग्रामीण विकास और शिक्षा के प्रचार में हो। अगर चौपालें लोकतंत्र का विस्तार बनें, तो वे आज भी प्रासंगिक रह सकती हैं।

चौपाल: परंपरा या पितृसत्ता का प्रतीक?– चौपालों की मूल अवधारणा आपसी संवाद, परामर्श और विवाद निपटारे की रही है। परंतु अब यह जगह कई बार न्याय की बजाय सामाजिक दमन और जातीय वर्चस्व का अड्डा बनती दिखती है। हरियाणा के गांवों में अधिकतर चौपालों पर सिर्फ पुरुषों का वर्चस्व होता है। महिलाएं वहाँ न तो बोल सकती हैं, न ही बैठ सकती हैं। यह असमानता सिर्फ लिंग आधारित नहीं है, जातिगत और आर्थिक वर्गों के हिसाब से भी है। पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों की बातों को अनसुना कर देना इन चौपालों की पुरानी रवायतों में शामिल हो चुका है।

आंकड़ों की सच्चाई: ऑनर किलिंग के मामलों में हरियाणा शीर्ष पर है। 2021 में देश में दर्ज 25 मामलों में से 17 हरियाणा से थे। इन अधिकतर मामलों में खाप या चौपाल की भूमिका रही। रिपोर्ट के अनुसार, 60% ग्रामीण विवाद पहले चौपाल में ही सुलझाए जाते हैं, जिनमें से 80% फैसलों में महिलाएं शामिल नहीं होतीं। हरियाणा राज्य महिला आयोग (2020) की एक रिपोर्ट बताती है कि 72% ग्रामीण महिलाओं को चौपाल की रूढ़िवादी व्यवस्था के कारण अपने अधिकारों से वंचित होना पड़ता है।

करनाल ज़िले का ह्यबल्ला गाँवह्न, हिसार ज़िले का नलवा गाँव– वर्ष 2016 में करनाल के बल्ला गाँव की चौपाल ने एक प्रेमी युगल को एक ही गोत्र का हवाला देते हुए गाँव से निकालने का निर्णय लिया। महिला को परिवार से अलग कर दिया गया और लड़के को जान से मारने की धमकी दी गई। जब यह मामला कोर्ट में गया, तो अदालत ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता) का उल्लंघन माना। लेकिन तब तक समाज ने अपनी सजा सुना दी थी। यह केस यह दशार्ता है कि चौपालें आज भी अपनी परंपरा की आड़ में कानून की अनदेखी कर सकती हैं। 2019 में हिसार के नलवा गाँव की चौपाल में एक दलित परिवार को केवल इसलिए सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा क्योंकि उनकी बेटी ने एक सवर्ण युवक से विवाह कर लिया था। पंचायत ने न सिर्फ पूरे परिवार को चौपाल पर आने से रोका, बल्कि गाँव के कुएँ से पानी भरने और राशन की दुकानों से खरीददारी करने पर भी रोक लगा दी।

सकारात्मक मिसाल: बीबीपुर गाँव, भिवानी, रेवाड़ी ज़िले का ढोसी गाँव– लेकिन हर चौपाल कट्टरता का प्रतीक नहीं है। भिवानी के बीबीपुर गाँव ने चौपाल की परिभाषा को बदलकर दिखाया। वहाँ के सरपंच सुनिल जगलान ने चौपाल को महिलाओं की आवाज बनाने का मंच बनाया। सेल्फी विद डॉटरह्न अभियान यहीं से शुरू हुआ। चौपाल में महिला मंच स्थापित किया गया, जहाँ महिलाएं भी समान अधिकार से भाग लेती हैं। नशा मुक्ति, बाल विवाह, शिक्षा और शौचालय जैसे मुद्दों पर खुली बहस हुई और निर्णय लिए गए। बीबीपुर की यह चौपाल बताती है कि जब समाज चाहे, तो परंपरा को आधुनिक मूल्यों के साथ जोड़ा जा सकता है। हरियाणा पंचायत विकास रिपोर्ट (2021) के अनुसार, राज्य के 78% गाँवों में चौपालों को किसी भी कानूनी ढांचे के अंतर्गत संचालित नहीं किया जाता, जिससे वे अक्सर संविधान के दायरे से बाहर होकर निर्णय लेती हैं। गाँव की चौपाल में 2022 में पहली बार युवाओं की मांग पर डिजिटल चौपाल की शुरूआत की गई। इसमें गाँव की समस्याओं को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए ब्लॉक कार्यालय से जोड़ा गया और महिलाओं को भी समान रूप से भागीदारी मिली। इसका सीधा प्रभाव यह हुआ कि गाँव में शौचालय निर्माण, छात्रवृत्ति वितरण और मनरेगा की मजदूरी जैसे मुद्दों पर त्वरित निर्णय और समाधान हुए।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

जीवन जीने के लिए पेड़-पौधे जरूरी है

'हर तरफ दूषित वातावरण से मानव जीवन में संकट के बादल छाए हुए हैं। विकास की अंधी दौड़ में ईंट पत्थरों के जंगल बनने से कुछ नहीं होने वाला है। क्योंकि जीवन जीने के लिए पेड़-पौधे जरूरी है। इसलिए हमें पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। पेड़ों की अवैध कटाई से सांस लेना मुश्किल हो चुका है। छायादार पेड़ों के नहीं होने से गर्मी में सुकून व छाया की तालाश ना जाने कब खत्म होगी। सिर्फ सरकारों या संगठनों के भरोसे हरित क्रांति व शुद्ध प्राणवायु हमें कैसे प्राप्त होंगी। इसके लिए हम सभी एकजुट होकर पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझें। क्योंकि एक पेड़ लगाना और उसे बड़ा करने का हमारे हिन्दू धर्म में 100 बच्चों के पालनें के पुण्य के समान है। क्योंकि यहां मानवीय जीवन की रक्षा हेतु हमारे जीवन में पेड़ों का बहुत महत्व है। सांस लेने हेतु हवा के रुप में जो आक्सीजन हमें मिलतीं है। यह पेड़ों से ही प्राप्त होती है। वर्तमान में जंगलों की घटती संख्या बहुत दुखत है। हमारे देश में जल संरक्षण, जलवायु के परिवर्तन पर बहुत काम हो रहे हैं। प्रदुषण नियंत्रण करने के प्रयास तो जारी है, पर भविष्य को इस दुषित पर्यावरण से बचाने के लिए शुरू से काम जारी रखना होगा। शिक्षा के मध्यम से छात्र-छात्राओं को पर्यावरण सुधार की बातों पर ध्यानाकर्षण करने की जरूरत है। वन क्षेत्र जंगल जानवर पेड़ पेड़ों को बचाने की मूहिम में हम सभी साथ मिलकर आगे आयें। भारतीय संस्कृति व सभ्यता में धार्मिक गतिविधियों में पेड़ों की आवश्यकता होती है। पूजन विधि में हवन-यज्ञ में जीवन से लेकर मृत्यु तक में पेड़ों का आवश्यकता व महात्व बहुत है। हम पेड़ों को पूजनीय मानते हैं देवी-देवता का आशीर्वाद मान कर पूजा करते हैं। यह हमारे संस्कारों में रचा बसा हुआ है। पेड़-पौधों के प्रति हमारे प्राचीनतम ग्रंथों में भी विवरण है। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा थे। आज जरूर हम आधुनिकता की दौड़ में हम भटक गये है, हम लोगों ने हवा पानी जीव जन्तु पेड़ पोधो के प्रति अपने विचारों को बदलना होगा। तभी प्रकृतिक विवांदा विकराल रूप ना ले लें। हम लोगों ने धरती को बंजर बना दिया, जंगलों को उजाड़ दिया। इसीलिए देखरेख के आभाव में पर्यावरण हर तरफ दूषित हो गया है। पुराने दौर में हम लोग देखें तो कितने ज्यादा प्रकृति के करीब थे। पर जैसे जैसे हम आधुनिकता व पश्चिमी सभ्यता के दौर में आयें तो वैसे वैसे हम लोगों ने धरती से दूरी बना ली। तभी तो प्रकृति विनाशलीला व तांडव मचा रही है। हम लोग अभी नहीं सुधरेंगे तो बहुत देर हो जायेगी क्योंकि जीवन जीने के लिए पेड़ पौधे जरूरी है।

हरिहर सिंह चौहान
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और दर्द को समझें

- ललित गर्ग - | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

बच्चों को देश एवं दुनिया के भविष्य की तरह देखा जाता है। लेकिन उनका यह बचपन रूपी भविष्य लगातार हो रहे युद्धों की विभीषिका, त्रासदी एवं खौफनाक स्थितियों के कारण गहन अंधेरों एवं परेशानियों से घिरा है। आज का बचपन हिंसा, शोषण, यौन विकृतियों, अभाव, उपेक्षा, नशे एवं अपराध की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। बचपन इतना उपेक्षित, प्रताड़ित, डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्यों बचपन बदहाल होता जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज, सरकार एवं युद्धरत देशों की सत्ताएं इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? ये प्रश्न 4 जून को आक्रमण के शिकार हुए मासूम बच्चों के दिवस को मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। इस दिवस को मनाने की प्रासंगिकता आज के परिप्रेक्ष्य में ज्यादा महसूस हो रही है। इस दिवस का उद्देश्य आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और उनके दर्द को स्वीकार करना, बाल अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराना, समाज में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना, बच्चों के साथ हिंसा रोकने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से प्रयास करना, बच्चों के लिए सुरक्षित, हिंसामुक्त और अनुकूल वातावरण बनाना एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें हिंसा से सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता फैलाना है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस की शुरूआत 1982 में की थी, जब फिलिस्तीनी और लेबनानी बच्चों पर हुए अत्याचारों के बाद यह दिवस घोषित किया गया था, जिसे मनाते हुए हमें दुनिया भर में बच्चों द्वारा झेले गए दर्द को स्वीकारना होगा, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बच्चे दुनिया की आबादी का एक चौथाई हिस्सा हैं और किसी भी समाज की भलाई के लिए बच्चों का सुरक्षित एवं संरक्षित होना जरूरी हैं। वे समाज के सबसे कमजोर सदस्य हैं, जिन्हें निष्कंटक, खुशहाल और सफल जीवन जीने के लिए समान अवसर दिए जाने और उनकी रक्षा किए जाने की आवश्यकता है। लेकिन, हर साल संघर्ष और युद्धों के कारण बच्चों की एक बड़ी संख्या हिंसा, विस्थापन, अपंगता और दुर्व्यवहार का शिकार होती है। यह केवल इस बात को साबित करता है कि बच्चों पर किसी भी संघर्ष का गंभीर एवं घातक प्रभाव पड़ता है। निश्चित ही रूस एवं यूक्रेन, गाजा एवं इजरायल जैसे लम्बे समय से चल रहे युद्धों के कारण हर दिन, दुनिया भर में बच्चे अकथनीय भयावहता एवं त्रासदियों का सामना कर रहे हैं। वे अपने घरों में सोने या बाहर खेलने, स्कूल में पढ़ने या अस्पतालों में चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में सुरक्षित नहीं हैं। हत्या और अपंगता, अपहरण और यौन हिंसा से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमले नयी बन रही विश्व संरचना के लिये गंभीर चुनौती है। बच्चे चौंका देने वाले पैमाने पर युद्धरत दलों के निशाने पर आ रहे हैं।

हाल के वर्षों में, कई संघर्ष एवं युद्ध क्षेत्रों में, महामारियों एवं प्राकृतिक आपदाओं के कारण बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। संघर्ष, युद्ध, हिंसा एवं महामारियों से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में रहने वाले 250 मिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। हिंसक अतिवादियों द्वारा बच्चों को निशाना बनाने से बचाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून को बढ़ावा देने के लिए और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयासों एवं संकल्पों की जरूरत है ताकि बच्चों के बेहतर भविष्य को सुरक्षित एवं सुनिश्चित किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के नए एजेंडे में पहली बार बच्चों के खिलाफ हिंसा के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य शामिल था और बच्चों के दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण को समाप्त करने के लिए कई अन्य हिंसा-संबंधी लक्ष्यों को मुख्यधारा में शामिल किया गया। विश्वस्तर पर बालकों के उन्नत जीवन के ऐसे आयोजनों के बावजूद आज भी बचपन उपेक्षित, प्रताड़ित एवं नारकीय बना हुआ है, आज बच्चों की इन बदहाल स्थिति की प्रमुख वजहें हैं, वे हैं-सरकारी योजनाओं का कागज तक ही सीमित रहना, बुद्धिजीवी वर्ग व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता, दुनिया की महाशक्तियों की ओर से बच्चों के ज्वलंत प्रश्नों पर आंख मूंद लेना, इनके प्रति समाज का संवेदनहीन होना एवं गरीबी-शिक्षा के लिये जागरुकता का अभाव है। युद्धों एवं ऐसी ही स्थितियों में 11,649 बच्चे मारे गए या अपंग हो गए। अधिकांश मामलों में, विस्फोटक आयुध और बारूदी सुरंगों का उपयोग आबादी वाले क्षेत्रों में किया गया, जिसके कारण बच्चों की मृत्यु हुई और वे अपंग हो गए। 8,655 बच्चों का इस्तेमाल संघर्ष में किया गया और 4356 का अपहरण किया गया, जिनमें से सबसे ज्यादा संख्या कांगो, सोमालिया और नाइजीरिया के लोकतांत्रिक गणराज्य में पायी गयी। पीड़ितों में से लगभग 30 प्रतिशत लड़कियां थीं। 1,470 बच्चे यौन हिंसा के शिकार हुए है। संघर्ष में यौन हिंसा कलंक और कानूनी सुरक्षा की कमी के कारण लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए सबसे कम रिपोर्ट की जाने वाली गंभीर हिंसा है। 90 प्रतिशत से अधिक यौन हिंसा लड़कियों के खिलाफ की गई, जो यौन हिंसा और जबरन विवाह से असमान रूप से प्रभावित हैं, हालांकि लड़कों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। 2022 से 2023 तक मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो अक्सर अन्य गंभीर उल्लंघनों में वृद्धि के साथ मेल खाती है। 2024 के लिए, मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में कई संदर्भों में गिरावट आने की उम्मीद है, विशेष रूप से अफगानिस्तान, म्यांमार और सूडान में मानवीय संगठनों और कर्मियों पर नियंत्रण बढ़ाने वाले प्रतिबंधात्मक नियमों को अपनाने के कारण। 2023 तक, स्कूलों पर हमलों में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोफी अन्नान ने एक बार कहा था, दुनिया में बच्चों के साथ जो भरोसा है, उससे ज्यादा पवित्र कोई भरोसा नहीं है। यह सुनिश्चित करने से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई कर्तव्य नहीं है कि उनके अधिकारों का सम्मान किया जाए, उनके कल्याण की रक्षा की जाए, उनका जीवन भय और अभाव से मुक्त हो और वे शांति से बड़े हो सकें। बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघनों को समाप्त करना और रोकना बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर जनादेश का मुख्य हिस्सा है। बच्चों को शत्रुता से बचाने का सबसे प्रभावी तरीका उन दबाव और खींचतान वाले कारकों को खत्म करना है जो उन्हें सशस्त्र संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं जब वे हँसते-मुस्कुराते हैं। बच्चे यदि तनावरहित रहते हैं तो चारों तरफ खुशी का माहौल बन जाता है। क्या आपने कभी सोचा है कि बच्चे भी पीड़ा महसूस करते हैं। यह पीड़ा शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक किसी भी तरह के शोषण से पैदा होती है। बच्चे खुश, स्वस्थ और सुरक्षित होने चाहिए। उन्हें जाने-अनजाने में भी कोई पीड़ा नहीं दी जानी चाहिए। बच्चों की खुशी में देश एवं दुनिया का उज्ज्वल भविष्य छुपा है। कुछ बीमार मानसिकता यानी पीडोफिलिया ग्रस्त व्यक्ति मासूम बच्चों को क्रूरतम मानसिक व शारीरिक यातनाएं देने में आनंद की प्राप्ति करता है तथा उसके लिए यह एक ऐसा नशा बन जाता है कि वह बच्चों को यातनाएं देने कि क्रूरतम विधियां इजाद करता जाता है जिसमें बच्चो के साथ सेक्स, शरीर को चोटिल करना-काटना, जलाना, यहाँ तक कि उनके टुकडे-टुकडे कर उनके मांस तक खाना शामिल है। कुछ देशों में बच्चों को ऊंट की पीथ पर बान्धकर ऊटों को दौड़ाया जाता है जिससे बच्चे कि चीत्कार-चीख से वहां के लोग आनन्द एवं मनोरंजन की प्राप्ति करते हैं, यह भी पीडोफिलिया का ही एक उदाहरण है। इन क्रूर एवं अमानवीय स्थितियों का मासूम बच्चों पर भारी दुष्प्रभाव पड़ता है और इन कमजोर नींवों पर हम कैसे एक सशक्त दुनिया की कल्पना कर सकते हैं?

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

आंतरिक और बाह्य चुनौतियों से जूझता भारत

सीमावर्ती राज्यों और पड़ोसी देशों से भारत को लगातार चुनौतियां मिल रही हैं। पिछले एक दशक में भारत के पड़ोसी देश और पूर्वोत्तर राज्य सबसे बडी चुनौती के रूप में सामने हैं। भारत के पड़ोसी देश चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका भारत के लिए चुनौती बने हुए हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश में कट्टरपंथी तेजी के साथ सक्रिय हो रहे हैं। पाकिस्तानी सेना पर कट्टरपंथियों का प्रभाव है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में जिस तरीके की अशांति लंबे समय से फैली हुई है, भारत को आंतरिक और बाहय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों से यह चुनौतियां बढ़ती ही जा रही हैं। भारत को वर्तमान स्थिति में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश से सबसे बड़ा खतरा है। हाल ही में चीन ने जिस तरह से पाकिस्तान का समर्थन किया है। उसे आर्थिक और सामरिक मदद दी है। उसके कारण भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले एक दशक में चीन ने भारत के सभी पड़ोसी देशों के साथ बड़े-बड़े अनुबंध किए हैं। अरबों डॉलर का कर्ज भारत के पड़ोसी देशों को दिया है।

सुरक्षा की दृष्टि से चीन ने भारत के पड़ोसी देशों के सामरिक महत्व के क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है। ऐसी स्थिति में दुनिया के देशों के बीच बढ़ता तनाव और उस पर भारत का पाकिस्तान और चीन के बीच जिस तरह का तनाव देखने को मिल रहा है, वह भारत के लिए चिंताजनक है। भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम, मेघालय, अरुणाचल, मणिपुर अशांत राज्य हैं। विशेष रूप से मणिपुर की सीमा म्यांमार से लगी हुई है। यहां पर कुकी और मैतई के बीच पिछले दो वर्षों से हिंसक वारदात हो रही हैं। दोनों समुदायों के बीच भारी तनाव बना हुआ है। भारत का सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर, मणिपुर और बांग्लादेश की सीमा पर बड़ी संख्या में तैनात हैं। ऐसी स्थिति में जब तृतीय विश्व युद्ध जैसे हालात तैयार हो रहे हों, ऐसे समय पर भारतीय सेना के लिए सीमावर्ती राज्य चिंता का विषय बने हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है। भारत के सभी पड़ोसी देश चीन के प्रभाव में हैं। भारत पड़ोसी देशों के बीच में बिल्कुल अलग-थलग पड़ गया है। चीन के साथ भारत का रिश्ता वैसा मधुर नहीं रहा, जो पिछले वर्षों में था। हाल ही में पहलगाम में हुई घटना के बाद जब भारत ने पाकिस्तान का जल रोकने का निर्णय लिया तो उसके बाद चीन ने भारत को चेतावनी दी। यदि उसने पाकिस्तान का पानी शुरू नहीं किया, तो वह ब्रह्मपुत्र नदी का पानी भारत के लिए रोक देगा। ऑपरेशन सिंदूर मे पाकिस्तान ने चीन के अत्याधुनिक हथियारों से भारत के ऊपर हमला किया। चीन पाकिस्तान का रक्षा कवच बनकर सामने आया। जिस तरह से भारत को चीन और पाकिस्तान से लगातार चुनौती मिल रही हैं, उसके कारण भारत की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। उनके शपथ ग्रहण समारोह में सेकडों राष्ट्राध्यक्ष भाग लेने के लिए दिल्ली आए थे। 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोई भी राष्ट्र भारत के समर्थन में खुलकर खड़ा नहीं हुआ। यह भारत के लिए चिंताजनक स्थिति है। यह भारत की विदेश नीति की विफलता भी है। भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाकर नहीं रख पाया। वैश्विक स्तर पर जिस तरीके से चीन के मुकाबले भारत की इमेज बनी है, वह भारत के लिए सबसे नुकसानदेह साबित हो रही है। पुरानी कहावत है, स्त्री और सत्ता ताकतवर हाथों में ही सुरक्षित रहती है। चीन इस समय एशिया का सबसे ताकतवर देश है। चीन का व्यापार दुनिया के सभी देशों के साथ हो रहा है। कुछ मामलों में चीन की मोनोपॉली है। चीन ने हो हल्ला नहीं किया लेकिन अपने कारोबार को तथा अपनी तकनीकी को लगातार विकसित किया है। भारत के पड़ोसी देशों को चीन ने पिछले एक दशक में बडी मात्रा में आर्थिक सहायता देकर उन्हें अपना आश्रित बना लिया है। ऐसा करके उसने भारत को चारों ओर से घेर लिया है। चीन को भारत से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। सुनियोजित रणनीति के तहत चीन, भारत को हमेशा कमजोर करके रखना चाहता है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर ज्यादा ध्यान देना होगा। पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तो को बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। चीन और भारत के संबंध किस सीमा तक हों, इस पर ध्यान देने की जरूरत है। चीन के ऊपर भारत की निर्भरता पिछले एक दशक में काफी बढ़ गई है। भारत को अधिकांश आयात चीन से करना पड़ रहा है। भारत का औद्योगिक और उपभोक्ता सामान चीन से ही आता है। सामरिक और आर्थिक दृष्टि से चीन, भारत के मुकाबले अति ताकतवर है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को अपनी नीतियों में बदलाव करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष को साथ मिलकर काम करना होगा। नागरिकों को महंगाई और बेरोजगारी से बचाते हुए, आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना पड़ेगा। यदि इसमें जरा सी भी लापरवाही की गई, तो भारत को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी फैल रही है। रूस-यूक्रेन, इजरायल गाजा एवं अन्य देशों के बीच जिस तरह का तनाव बना हुआ है। उसको देखते हुए अब तीसरे विश्व युद्ध की आशंका भी जताई जा रही है। ऐसी स्थिति में भारत को काफी सावधान रहने की जरूरत है।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

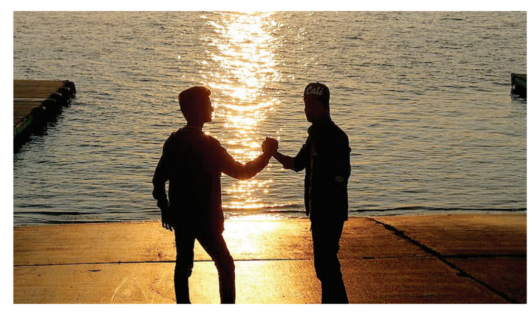

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है? क्या वह जो सिर्फ परिचित है? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है?

प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरुआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर। कोई मित्र अवसरवादी होता है, वह विपत्ति में साथ नहीं देगा। कोई मित्र शत्रु बन जाता है और अलगाव का दोष भी हमें ही देता है। कोई मित्र हमारे यहां खाता-पीता है, किंतु विपति के वक्ति दिखाई नहीं देता। समृद्धि के दिनों में वह हमारा अंतरंग बन कर रौब जमाता है, किंतु दुर्दिन आते ही शत्रु बनकर मुंह फेर लेता है। परीक्षा लेने के बाद किसी को मित्र बना लो, लेकिन उस पर तुरंत विश्वास मत करो। अपमान, अहंकार और विश्वासघात के कारण मित्रता टूट जाती है। कभी ऐसा भी होता है, जिस दोस्त पर हम सबसे ज्यादा विश्वास व भरोसा करते हैं, वही विश्वासघात करता है और हृदय पर चोट लगने पर मित्रता टूट जाती है। अगर, हम संकट और दरिद्रता में मित्र का साथ दें तो उसकी समृद्धि और विरासत के साझेदार बन सकते हैं। सच्चा दोस्त जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उससे घर-परिवार व समाज में पहचान बनती है। सच्चा मित्र प्रबल सहायक है। जिसे मिल जाता है, समझो उसे खजाना मिल गया। ऐसे मित्र की कीमत धन से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा मित्र असल में संजीवनी है। इंसान जैसा है, उसका मित्र भी वैसा ही होगा।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। एशियाई और दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में ये गिरावट बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 636 अंकों की गिरावट के साथ 80,737.51 पर बंद हुआ है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएनई निफ्टी 174 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,543 के स्तर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए हैं। निफ्टी पर बैंक, फाइनेंशियल, एफएमसीजी, मेटल, आटो, आईटी और फार्मा इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए हैं जबकि रियल्टी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए।

वहीं सेंसेक्स के 29 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान में जबकि 1 बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ है। आज एमएंडएम के शेयर सबसे ज्यादा उछले जबकि अडानी पोर्ट , बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड , इंडसइंड बैंक के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुलने के बाद लाल निशान में आ गये। सेंसेक्स 393.74 अंक गिरकर 80,980 पर जबकि 88.15 अंक गिरकर 24,628.45 पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले मंगलवार को शेयर बाजार गिरावट पर बंद हुए। वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेत, विदेशी निवेशकों का रुख तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की टैरिफ योजनाओं और अमेरिका-चीन व्यापार तनावों पर बनी चिंताओं के मिश्रण से बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी प्रभावित हुए हैं। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को हल्की बढ़त देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट में सोमवार को आई तेजी के चलते आई। हालांकि, वैश्विक व्यापार तनाव और गहराने के संकेत मिल रहे हैं। उधर चीन ने अमेरिका पर अस्थायी व्यापार समझौते के उल्लंघन के आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही अमेरिकी पर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा न करने का भी आरोप लगाया। इस बीच जापान का निक्केई इंडेक्स 0.43 फीसदी ऊपर था, जबकि टॉपिक्स और कोस्पी में मामूली तेजी के साथ स्थिरता थी। एएक्स 200 इंडेक्स 0.67 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा था। दक्षिण कोरियाई बाजार वोटर्स डे के कारण बंद रहे।

चेन हडसन बे के कनाडा में अपने सभी 80 डिपार्टमेंटल स्टोर्स बंद

नई दिल्ली ■

कनाडा की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित रिटेल चेन हडसन बे कंपनी ने कनाडा में अपने सभी 80 डिपार्टमेंटल स्टोर्स बंद कर दिए हैं। कुछ ही हफ्ते पहले कंपनी ने अपनी स्थापना की 355वीं वर्षगांठ मनाई थी। यह कंपनी कनाडा की आखिरी पारंपरिक डिपार्टमेंटल स्टोर श्रृंखला थी लेकिन भारी कर्ज के चलते कंपनी की हालत लगातार बिगड़ती गई और हाल ही में इसे दिवालिया घोषित कर दिया गया।

वर्ष 1670 में ब्रिटेन ने इस कंपनी की स्थापना फर व्यापार के लिए की थी और इसे कनाडा के एक-तिहाई हिस्से के बराबर जमीन दी थी। हडसन बे कंपनी सिर्फ एक स्टोर नहीं, बल्कि कनाडा की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही है. यह कंपनी कनाडा की आखिरी पारंपरिक डिपार्टमेंटल स्टोर श्रृंखला थी। कंपनी

ने 89 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। 2006 में एचबीसी को अमेरिकी व्यवसायी जेरी जकर ने 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीदा था। 2008 में एनआरडीसी इक्विटी पार्टनर्स ने इसे अधिग्रहित किया, जो सैक्स फिफ्थ एवेन्यू के भी मालिक थे। मार्च 2025 में एचबीसी ने कनाडा के कंपनी क्रेडिटर्स अरेंजमेंट एक्ट के तहत क्रेडिटर प्रोटेक्शन के लिए आवेदन किया और अपने 80 हडसन बे स्टोर, तीन सैक्स, और 13 सैक्स ऑफ 5 स्टोर को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की। 1 जून, 2025 को सभी स्टोर बंद हो गए।

रुपया 10 पैसे टूटकर 85.49 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी अमेरिकी मुद्रा में मामूली सुधार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के दौरान रुपया मंगलवार को शुरूआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर 85.49 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति की घोषणाओं से पहले अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों ने भी घरेलू मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा कमजोर रुख के साथ खुली और सीमित दायरे में रही। रुपया शुरूआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.49 पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.39 पर बंद हुआ था।

सोने की कीमतों में भारी गिरावट की चेतावनी

मुंबई ■

पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में दिख रही छूट ने निवेशकों को परेशान कर दिया है। मार्च-अप्रैल में सोने की कीमतें 1 लाख प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई थीं, लेकिन वैश्विक घटनाओं ने इसे अब लगभग 97,000 प्रति 10 ग्राम तक गिरा दिया है। इस गिरावट के पीछे कई कारण हैं।

पहला कारण है प्रॉफिट बुकिंग का असर। ऊंची कीमतों पर बड़े निवेशकों ने मुनाफा कमाने का फैसला किया है और पैसा अन्य एसेट्स में लगा रहे हैं। इससे सोने की कीमतों में कमी आई है। दूसरा कारण है वैश्विक तनाव में घटाव। जब तनाव कम होता है, तो सोने की मांग कम होती है। अमेरिका-चीन ट्रेड टेंशन में नरमी आने से और

भारत-पाकिस्तान संबंधों में शांति आने से, निवेशकों का रुझान अलग एसेट्स में बदल रहा है। आरबीआई की संभावित पॉलिसी में बदलाव भी इस गिरावट का कारण हो सकता है। यदि रेपो रेट में कटौती की जाती है, तो सोने की कीमतों पर नकारात्मक असर हो सकता है। अंत में, अमेरिकी फेड की रणनीति भी इसमें एक बड़ा कारक है। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती न होने की स्थिति में, सोने में सपोर्ट कमजोर हो जाएगा।

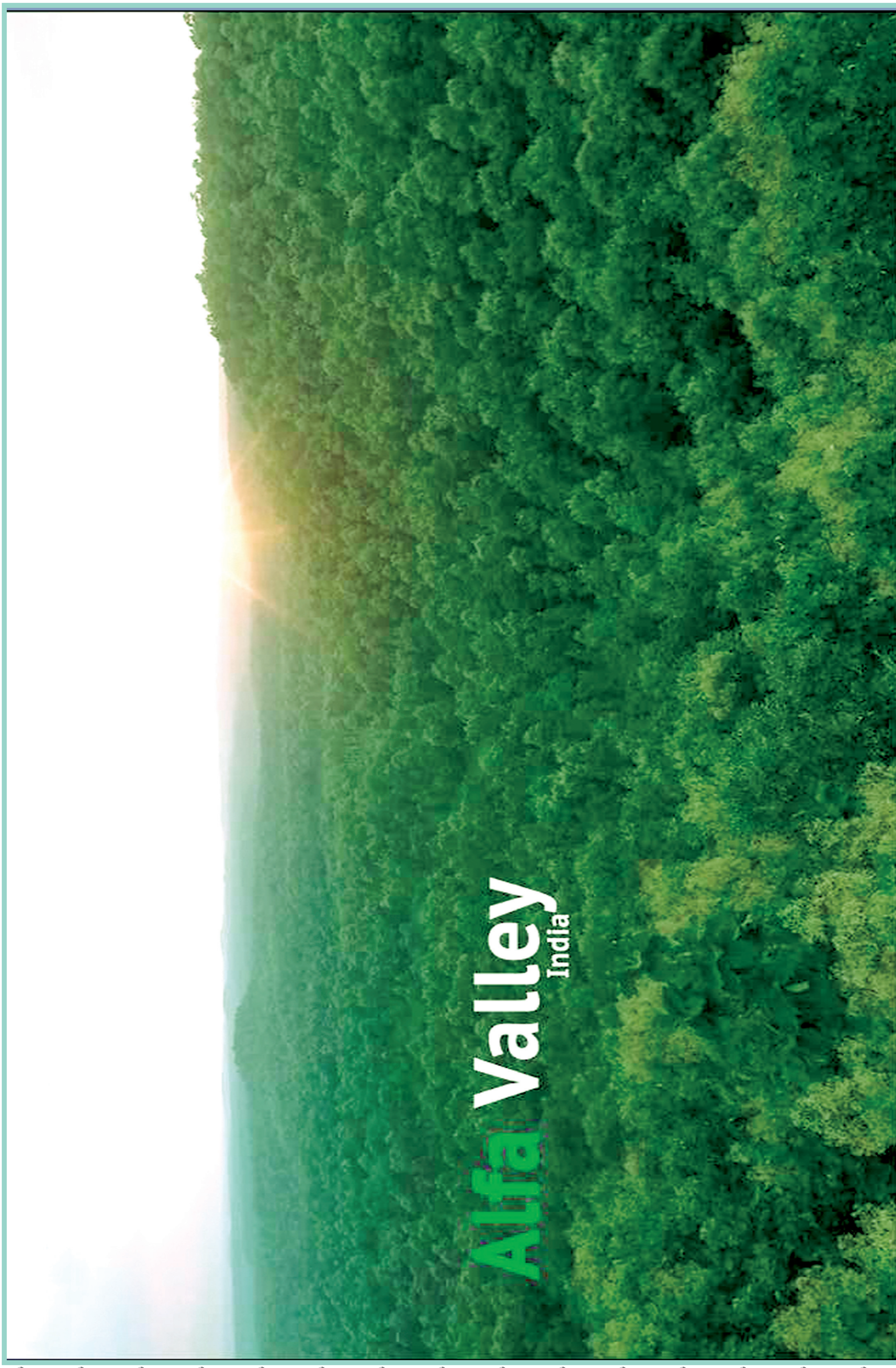
Alfa Valley
India

मनोरंजन

मॉनसून रोमांस और सुकून का अहसास : सारा

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने हाल ही में बारिश के मौसम को लेकर सोशल मीडिया पर अपने दिल की बात साझा की है। उनके लिए मॉनसून सिर्फ भीगने या छाते का मौसम नहीं, बल्कि रोमांस और सुकून का अहसास है। सारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ खूबसूरत सेल्फी के साथ एक प्यारी सी शायरी पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि बारिश उन्हें बेहद रोमांटिक लगती है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मॉनसून में भरो मग्गे और कोजी होकर सुनो जमाना लगे, रोमांस वाली फिलिंग जब जागे, थिंक ऑफ आपके प्यारे सगे। इस शायरी के जरिए सारा ने अपने फैंस को यह संदेश दिया कि जब बारिश में मन रोमांटिक हो जाए, तो उस खास इंसान को याद करें जिसे आप प्यार करते हैं। उनकी ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस सारा के इस अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं। सारा की शेयर की गई तस्वीरों में वह बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं। उन्होंने फिटिंग ड्रेस पहन रखी है और कैमरे के सामने अलग-अलग पोज़ में अपना मॉनसून मूड जाहिर किया है। सारा अली खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म मेट्रो इन दिनों को लेकर सुर्खियों में हैं। 28 मई को इस फिल्म का पहला गाना जमाना लगे लॉन्च किया गया था। इस इवेंट में सारा के साथ आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा जैसे कई कलाकार भी शामिल हुए।

प्रियंका चोपड़ा और निक की रोमांटिक केमिस्ट्री

बॉलीवुड और हॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनास ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी की दो खास झलकियां साझा कीं, जिनमें प्यार, रिश्तों की गहराई और जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण की झलक साफ दिखाई दी। एक ओर जहां उन्होंने अपने पति निक जोनास के साथ एक रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की, वहीं दूसरी ओर एक प्रेरणादायक संदेश भी साझा किया, जिसने फैंस का ध्यान खींचा। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जो तस्वीर साझा की, उसमें वह और निक एक बोट में सुकून भरे पल बिताते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में प्रियंका कैमरे की ओर मुस्कुरा रही हैं, जबकि निक उन्हें प्यार भरी नजरों से निहार रहे हैं। दोनों के बीच की बॉन्डिंग और आत्मीयता तस्वीर में साफ दिखाई देती है। फैंस को यह तस्वीर बेहद पसंद आ रही है और इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। इसके साथ ही प्रियंका ने एक भावनात्मक और प्रेरणादायक कोट भी शेयर किया, जिसमें लिखा था, ऐसे लोगों के साथ रहो, जो तुम्हारी गैरमौजूदगी में भी तुम्हारे बारे में अच्छी बातें करें, तुम्हारे मान-सम्मान की रक्षा करें और तुम्हारे पीछे बुराई न करें। इस संदेश के जरिए प्रियंका ने रिश्तों में ईमानदारी और सम्मान की अहमियत को रेखांकित किया। प्रियंका और निक की लव स्टोरी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही। 2016 में निक ने प्रियंका को एक मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि उनके कुछ कॉमन दोस्तों का मानना है कि उन्हें मिलना चाहिए। प्रियंका ने जवाब में कहा था कि उनकी टीम ये मैसेज पढ़ सकती है,

अमिताभ ने अयोध्या में 40 करोड़ की प्रॉपर्टी खरीदी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन न सिर्फ फिल्मों में बल्कि प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट के मामले में भी काफी सक्रिय हैं। हाल ही में उन्होंने अयोध्या में एक और बड़ी प्रॉपर्टी खरीदी है जिसकी कीमत 40 करोड़ रुपये बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह नई संपत्ति करीब 25 हजार स्क्वायर फीट में फैली है। दिलचस्प बात यह है कि यह अयोध्या में बिग बी की पहली खरीद नहीं है। इससे पहले भी वह यहां कई बार निवेश कर चुके हैं। बिग बी ने 2024 में अयोध्या में 10 हजार स्क्वायर फीट का प्लॉट खरीदा था, जिसकी कीमत करीब 14.5 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा मार्च 2025 में आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि उन्होंने राम मंदिर से करीब 10 किलोमीटर की दूरी पर 54,454 स्क्वायर फीट की एक और जमीन ली है। माना जा रहा है कि इस जमीन पर वह अपने पिता हरिवंश राय बच्चन के साहित्यिक योगदान और जीवन पर आधारित एक स्मारक बनवाने की योजना बना रहे हैं। इतना ही नहीं, राम मंदिर के भव्य उद्घाटन से ठीक पहले भी अमिताभ बच्चन ने अयोध्या के 'हवेली अवध' प्रोजेक्ट में 5372 स्क्वायर फीट का एक प्लॉट खरीदा था, जिसकी कीमत करीब 4.54 करोड़ रुपये बताई गई थी। इन तमाम निवेशों से यह स्पष्ट होता है कि अयोध्या अब बिग बी के लिए एक भावनात्मक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान बनता जा रहा है। अगर उनके फिल्मी करियर की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आए थे जिसमें रजनीकांत भी मुख्य भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। अब अमिताभ बच्चन 'सेक्शन 84' और बहुचर्चित फिल्म 'कल्कि 2' में नजर आने वाले हैं।

जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 100वीं जीत: नडाल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी, ज्वेरेव अगले दौर में

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को चौथे दौर में 6-2, 6-3, 6-2 से हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी 100वीं जीत दर्ज की। इस उपलब्धि के साथ जोकोविच फ्रेंच ओपन में 100 जीत हासिल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, पहले खिलाड़ी राफेल नडाल हैं, जिनके नाम 112 जीत दर्ज हैं। इस जीत के साथ जोकोविच लगातार 16वें साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। अब उनका सामना क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जो टैलन ग्रिकस्पूर के चोट के कारण रिटायर होने के बाद अगले दौर में पहुंचे हैं।

ज्वेरेव ने गलती से एक मक्खी निगल ली

जर्मन टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में प्रवेश किया है। चौथे दौर के मैच में उनके प्रतिद्वंद्वी टैलन ग्रिकस्पूर ने पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण दूसरे सेट में 6-4, 3-0 के स्कोर पर मैच छोड़ दिया। इस मैच के दौरान एक मजेदार घटना भी हुई जब पहले सेट में ज्वेरेव ने गलती से एक मक्खी निगल ली, जिससे खेल थोड़ी देर के लिए रुका। अब क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव का सामना सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से होगा। ज्वेरेव और जोकोविच के बीच अब तक 13 मुकाबले हुए हैं, जिनमें से ज्वेरेव ने 5 बार जीत हासिल की है।

सिनर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने चौथे दौर में रूस के एंड्री रुबलेव को सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 18वीं जीत दर्ज की है और टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा, जिन्होंने पांचवीं सीड जैक ड्रेपर को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।

नॉर्वे चेस- अर्जुन को हराकर नंबर-2 पर आए गुकेश

स्टावेंजर (नॉर्वे) ■ एजेंसी

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 7वें दौरे में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हराया। 19 साल के गुकेश ने अर्जुन को पहली बार क्लासिकल चेज में हराया है। गुकेश की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। उन्होंने पिछले राउंड में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया था। संघर्षपूर्ण मुकाबले में मिली इस जीत से गुकेश ने एरिगैसी से दूसरे राउंड में मिली हार का बदला चुकता भी किया।

गुकेश के अब 11.5 अंक हो गए हैं। उन्होंने नॉर्वे के गत चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना 12.5 अंक लेकर टॉप पर हैं। उन्होंने चीन के वेई यी को हराया। कार्लसन एक अन्य अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और

वर्ल्ड नंबर-2 के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ आर्मागेडन में जीत के बाद 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामुरा 8.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। गुकेश से हार के बाद एरिगैसी 7.5 अंकों के साथ 5वें स्थान पर खिसक गए, जबकि वेई यी 6.5 अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट में अभी तीन दौर की बाजियां खेली जाने बाकी हैं। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी को हराया, जबकि भारत की एक अन्य खिलाड़ी आर वैशाली चीन की लेई टिंगजी से हार गई।

इंडिया ए-इंग्लैंड लायंस के बीच पहला अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ

भारत की ओर से दूसरी पारी में 4 अर्धशतक लगे, इंग्लिश टीम 587 पर ऑलआउट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिया-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ हो गया। चौथे दिन भारत की ओर से 4 अर्धशतक लगे। पहले दिन शुक्रवार को इंग्लिश टीम ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। इंडिया-ए ने पहले पारी में 557 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड टीम 587 रन पर ऑलआउट हुई। चौथे और आखिरी दिन भारत दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 241 रन बनाया। दूसरा मुकाबला 6 जून से खेला जाएगा।

भारत की ओर से दूसरी पारी में कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 68 और यशस्वी जायसवाल ने 64 रन की पारी खेली। ध्रुव जुरेल (53) और नीतीश कुमार रेड्डी (52) नाबाद लौटे। इंग्लिश टीम पहली पारी में 587 रन पर ऑलआउट इंग्लिश टीम से पहली पारी में 3 प्लेयर्स ने शतक लगा दिए। टीम चौथे दिन लंच से पहले 587 रन पर ऑलआउट हो गई। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 527 रन बनाए थे। टॉम हैंस ने 171, मैक्स होल्डन ने 101 और डैन मोसले ने 113 रन बनाए।

इंडिया-ए के 557 के सामने इंग्लिश टीम 527/7

अनऑफिशियल टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लिश टीम से 3 प्लेयर्स ने शतक लगा दिए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 527 रन बना लिए।

आईएसएसएफ निशानेबाज विश्व कप आठ जून से

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले अगले माह आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार रहेंगे। भाकर और कुसाले को 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने भाकर को दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में शामिल किया है। वहीं पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह को भी जगह मिली है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार किसी स्पर्धा में खेलते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप में बेहत प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।

14 जून से होगा 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट

सेन डियागो। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट इसी माह 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। इसके तहत शीर्ष स्तर के क्लब चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख बड़ी इनामी राशि हासिल करने की दावेदार रहेंगी। कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब को 15.21 मिलियन डॉलर के करीब रकम मिलेगी। कॉनकैकएएफ, सीएएफ और एएफसी क्लब को 9.55 मिलियन डॉलर मिलेंगे जबकि ओएफसी (ओशिनिया) क्लबः 3.58 मिलियन डॉलर दिये जाएंगे। टूर्नामेंट से होने वाली सभी कमाई क्लब फुटबॉल के विकास में ही लगाई जाएगी।

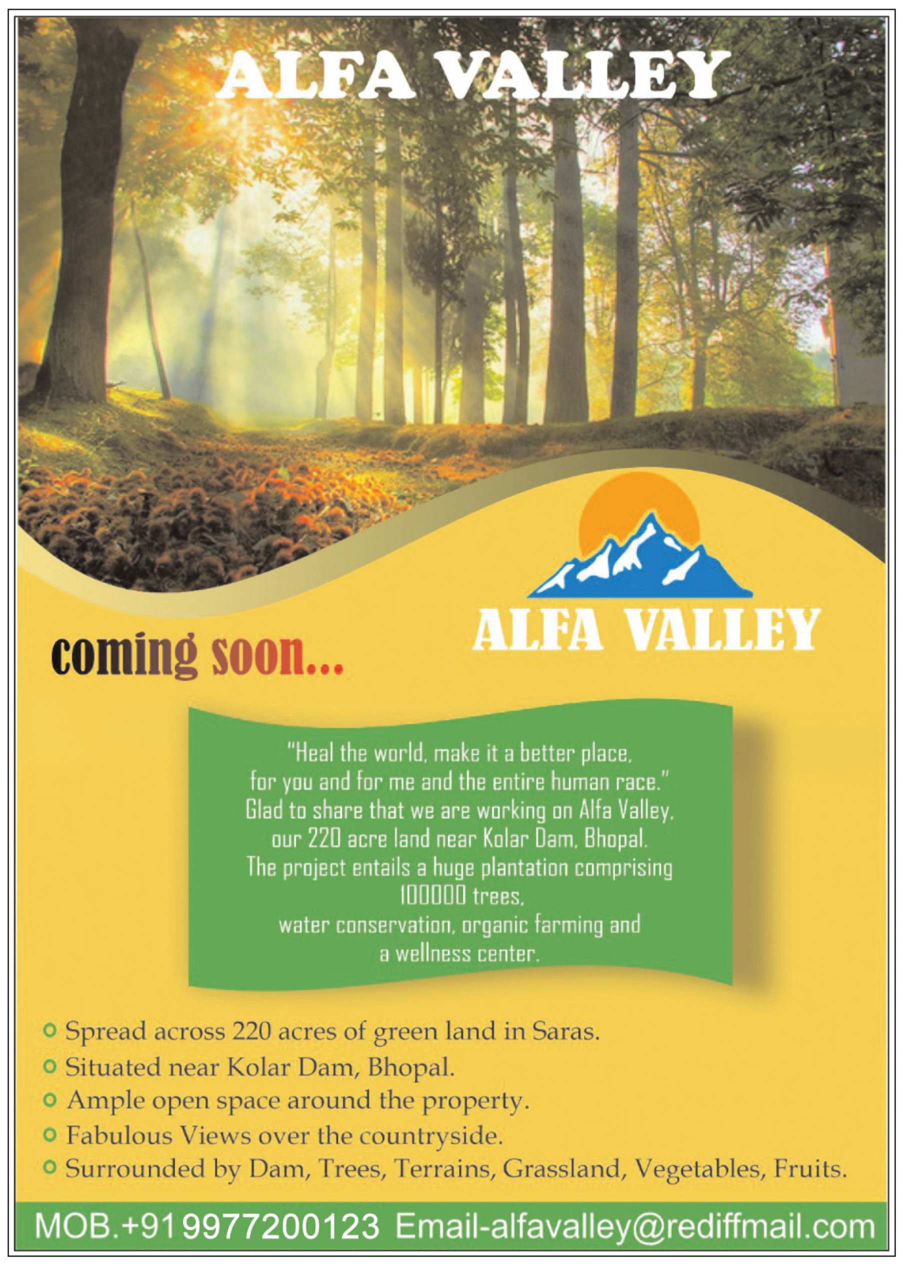

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com